जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 110 दिनांकः 04-04-2022 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को नेशनल असेंबली (संसद) को भंग करने की सलाह दी हैं, साथ ही नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है।

रविवार दोपहर करीब 3 बजकर 10 मिनट पर भुसावल मंडल पर नासिक के पास लाहवित और देवलाली के बीच 11061 एलटीटी-जयनगर एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए. अब तक, किसी की मौत की सूचना नहीं है.

पीएम के साथ बैठक में वरिष्ठ नौकरशाहों ने कहा, कई राज्यों की लोकलुभावन योजनाएं ठीक नहीं

श्रीलंका जैसा हो सकता है हश्र

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वरिष्ठ नौकरशाहों के साथ बैठक में कुछ अधिकारियों ने कई राज्यों द्वारा घोषित लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता जताई और दावा किया कि वे आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं हैं और वे उन्हें श्रीलंका के रास्ते पर ले जा सकती हैं। यह बात सूत्रों ने रविवार को बताई। प्रधानमंत्री ने शनिवार को 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने शिविर कार्यालय में सभी विभागों के सचिवों के साथ चार घंटे की लंबी बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के अलावा केंद्र सरकार के अन्य शीर्ष नौकरशाह भी शामिल हुए। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री की सचिवों के साथ यह नौवीं बैठक थी।

सूत्रों ने बताया कि 24 से अधिक सचिवों ने अपने विचार व्यक्त किए और प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने फीडबैक साझा किए, जिन्होंने उन सब को ध्यान से सुना। दो सचिवों ने हाल के विधानसभा चुनावों में एक राज्य में घोषित एक लोकलुभावन योजना का उल्लेख किया जो आर्थिक रूप से खराब स्थिति में है। उन्होंने साथ ही अन्य राज्यों में इसी तरह की योजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि वे आर्थिक रूप से टिकाऊ नहीं हैं और राज्यों को श्रीलंका के रास्ते पर ले जा सकती हैं।

बैठक के दौरान मोदी ने नौकरशाहों से स्पष्ट रूप से कहा कि वे कमियों (शार्टेज) के प्रबंधन की मानसिकता से बाहर निकलकर अधिशेष (सरप्लस) के प्रबंधन की नई चुनौती का सामना करें। मोदी ने उनसे प्रमुख विकास परियोजनाओं पर आगे नहीं बढ़ने के बहाने के तौर पर 'गरीबी' का हवाला देने की पुरानी परिपाटी छोड़ने और बड़ा दृष्टिकोण अपनाने के लिए कहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वरिष्ठ नौकरशाहों के साथ बैठक में कुछ अधिकारियों ने कई राज्यों द्वारा घोषित लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता जताई और दावा किया कि वे आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं हैं और वे उन्हें श्रीलंका के रास्ते पर ले जा सकती हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान सचिवों ने जिस तरह से साथ मिलकर एक टीम की तरह काम किया, उसका उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि उन्हें भारत सरकार के सचिवों के रूप में कार्य करना चाहिए न कि केवल अपने संबंधित विभागों के सचिवों के रूप में और उन्हें एक टीम के रूप में काम करना चाहिए। उन्होंने सचिवों से सरकार की नीतियों में खामियों पर फीडबैक और सुझाव देने के लिए भी कहा, जिनमें वे नीतियां भी शामिल हैं जो उनके संबंधित मंत्रालयों से संबंधित नहीं हैं। ऐसी बैठकों के अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने शासन में समग्र सुधार के लिए नए विचारों का सुझाव देने के लिए सचिवों के छह-क्षेत्रीय समूहों का भी गठन किया है।

इमरान की राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को नेशनल असेंबली भंग करने की सलाह

नए सिरे से चुनाव करने की मांग

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को नेशनल असेंबली (संसद) को भंग करने की सलाह दी हैं, साथ ही नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। राष्ट्र के नाम एक संक्षिप्त संबोधन में खान ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति अल्वी को 'असेंबली' को भंग करने की सलाह दी है। उनकी घोषणा से कुछ मिनट पहले ही नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी ने इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को संविधान के अनुच्छेद पांच के खिलाफ बताकर खारिज कर दिया। विपक्ष की ओर से अध्यक्ष असद कैसर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद सूरी ने संसद के अहम सत्र की अध्यक्षता की।

विपक्ष के सदस्य जब सदन पहुंचे, तब वे अविश्वास प्रस्ताव को लेकर आश्वस्त दिखाई दिए, लेकिन प्रस्ताव खारिज होने के बाद उन्होंने फैसले का विरोध किया। विपक्ष को खान को सरकार से बाहर करने के लिए 342 में से 172 सदस्यों के समर्थन की ज़रूरत है जबकि उन्होंने दावा किया है कि उनके पास 177 सदस्यों का समर्थन है। खान 2018 में 'नया पाकिस्तान' बनाने के वादे के साथ सत्ता में आए थे और अब अपने राजनीतिक करियर के नाजुक मोड़ पर हैं, क्योंकि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने बहुमत खो दिया है। उनकी दो सहयोगी पार्टियों ने भी सरकार से समर्थन वापस लेकर विपक्ष से हाथ मिला लिया है।

सीडीएस पद की प्रतिस्पर्धा में एमएम नरवणे सबसे आगे

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे हो सकते हैं नए थलसेना प्रमुख

नई दिल्ली । थलसेना के उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे (उर्हीत र्ईहदर र्ईह) अगले थलसेना प्रमुख हो सकते हैं। वर्तमान थलसेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे (उर्हीत श्र्ईह) इस माह के आखिर में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके बाद लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ही थलसेना में सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। जनरल नरवणे (उर्हीत श्र्ईह) को चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (एण्र्द अिहम र्ईं, एअए) पद की प्रतिस्पर्धा में सबसे आगे माना जा रहा है।

दरअसल, पिछले तीन महीनों के दौरान कुछ सैन्य अधिकारियों के सेवानिवृत्त होने की वजह से ही लेफ्टिनेंट जनरल पांडे (उर्हीत र्ईहदर र्ईह) सेना प्रमुख के बाद सबसे वरिष्ठ अफसर बने हैं। आर्मी ट्रेनिंग कमांड के लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला अभी 31 मार्च को ही सेवानिवृत्त हुए हैं। कुछ अन्य वरिष्ठतम अधिकारी जनवरी के आखिर में सेवानिवृत्त हुए थे। इनमें लेफ्टिनेंट जनरल सीपी मोहंती और लेफ्टिनेंट जनरल वाईके जोशी शामिल हैं जो 31 जनवरी को सेवानिवृत्त हुए।

लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला के स्थान पर लेफ्टिनेंट जनरल एसएस महल ने शिमला स्थित ट्रेनिंग कमांड का कार्यभार संभाला है। वहीं लेफ्टिनेंट जनरल बंसी पोन्नप्पा ने सेना के एडजुटेंट जनरल और लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यू ने उत्तर भारत क्षेत्र के जनरल आफिसर कमांडिंग का पदभार संभाला है। थलसेना के उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे देश के अगले आर्मी चीफ बनाए जा सकते हैं। वहीं जनरल मनोज मुकुंद नरवणे को चीफ आफ डिफेंस स्टाफ पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है।

मालूम हो कि देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका और 12 अन्य सैन्य अधिकारियों की आठ दिसंबर, 2021 को एक हेलीकाप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी तभी से प्रमुख रक्षा अध्यक्ष यानी सीडीएस का पद रिक्त है। हाल ही में राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने देश के पहले चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत को मरणोपरांत देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक अवार्ड पद्मविभूषण से सम्मानित किया था। जनरल रावत की बेटियों कीर्तिका और तारिणी ने यह पुरस्कार ग्रहण किया था।

महंगाई के मामले में धर्मनिरपेक्ष हैं पीएम नरेंद्र मोदीः कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और कई अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री महंगाई के मामले में धर्मनिरपेक्ष हैं, क्योंकि इसमें वह किसी के साथ भेदभाव नहीं करते। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह आरोप भी लगाया कि हाल के दिनों में ईंधन और जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण जनता पर 1,25,407 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ा है। रणदीप सुरजेवाल ने कहा, ''इस देश में महंगाई अब इवेंट बन गई है। देश महंगे मोदी-वाद से पस्त और त्रस्त है। भाजपा की चुनावी जीत 'लूट का लाइसेंस बन गई है। एक अप्रैल से जो महंगाई बढ़ाई गई, उससे जनता पर 1,25,407 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा, ''देश के 62 करोड़ अन्नदाताओं पर कर का बोझ डाला गया है। सरकार किसानों से आंदोलन का बदला ले रही है। डीएपी खाद की प्रति बोरी का दाम 150 रुपये बढ़ा दिया गया है। मोदी जी, देश के लोगों को रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाने का 'गुड मॉर्निंग गिफ्ट' देते हैं। पिछले 12 दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 7.20 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गई हैं। रसोई गैस की कीमतों में कई बार बढ़ोतरी की गई है।'' कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमत में बढ़ोतरी करके करीब एक लाख करोड़ रुपये की कमाई कर रही है। उन्होंने टोल में बढ़ोतरी का विषय उठाते हुए कहा कि इससे आम लोगों पर 6120 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ बढ़ा है।

इमरान को कुर्सी से हटाने में 'नाकाम, विपक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में सियासी घमासान के बीच रविवार को संसद भंग कर दी गई है। अब यहां 90 दिनों के भीतर चुनाव होने हैं। रविवार को संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होनी थी, लेकिन उससे पहले डिप्टी स्पीकर ने विदेशी साजिश का हवाला देकर अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अब विपक्ष मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पाकिस्तान के चीफ जस्टिस ने मामले की सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच गठित की है। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी का कहना है, कि इमरान ने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं।

जरदारी ने कहा, पूरे पाकिस्तान को पता है, कि विपक्ष की संख्या पूरी थी। रविवार को आखिरी मौके पर स्पीकर साहब ने असंवैधानिक काम किया। पाकिस्तान के संविधान को तोड़ने की कोशिश की गई। यूनाइटेड अपोजीशन ने फैसला किया है कि जब तक हमें संवैधानिक अधिकार नहीं मिलता तब तक हम नेशनल असेंबली में धरना देने वाले हैं। इसके अलावा हमारे वकील रविवार को ही सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

जरदारी ने कहा, इमरान ने स्पीकर के खिलाफ भी लोगों को इकट्ठा करके उनका अधिकार छीन लिया है। यह बचकाना हरकत और इमरान खान ने अपनी असली पहचान बता दी है। अगर इमरान खान लोकतंत्र के साथ हैं,तब सत्ता जाने से क्यों डरते हैं। इमरान खान ने अपने एक भाषण में कहा था कि उन्होंने राष्ट्रपति अलवी को संसद भंग करने की सलाह दी थी। इसके थोड़ी देर बाद ही आर्टिकल 5 के उल्लघंन का हवाला देकर डिप्टी स्पीकर ने अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इससे पहले विपक्षी दलों ने स्पीकर के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव फाइल कर दिया था।

मुंबई में मस्जिदों पर लाउडस्पीकर से नमाज पढ़ने को लेकर शुरू हुई राजनीति

मुंबई, (ईएमएस)। कर्नाटक में हिजाब, झटका-हलाल मीट के विरोध के बाद अब मुंबई में मस्जिदों पर लाउडस्पीकर से नमाज पढ़ने को लेकर राजनीति शुरू हो गई है. दरअसल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे की चेतावनी के बाद अब मनसे के घाटकोपर कार्यालय में लाउडस्पीकर लगाकर हनुमान चालीसा बजाई जा रही है. बता दें कि मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को चेतावनी देते हुए मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग की थी. राज ठाकरे ने कहा था कि मैं अभी चेतावनी दे रहा हूं..मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटा दो वरना मस्जिद के सामने लाउडस्पीकर लगा दूंगा और उसमें तेज आवाज में हनुमान चालीसा बजाएंगे. उन्होंने मुंबई के शिवाजी पार्क में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि आखिर मस्जिद में लाउड स्पीकर इतनी तेज आवाजा में क्यों बजाए जाते हैं. अगर यह रुका नहीं तो इससे कहीं ज्यादा तेज आवाज में हनुमान चालीसा बजाई जाएगी. राज ठाकरे ने आगे कहा था कि मुझे किसी के प्रार्थना करने से कोई दिक्कत नहीं है और न ही मैं किसी धर्म के खिलाफ हूं. मुझे अपने धर्म पर गर्व है. ठाकरे ने राकांपा प्रमुख शरद पवार की भी आलोचना की और उन पर ''समय-समय पर जाति का मुद्दा उठाने तथा समाज को विभाजित करने'' का आरोप लगाया.

भारत-नेपाल ने चीन को दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में आई कड़वाहट दूर हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के बीच शनिवार को हुई बैठक पुराने संबंधों में नई गर्मजोशी लाएगी। जिस प्रकार से दोनों देशों के बीच कई नई शुरूआत हुई है, उसने नेपाल पर चीन की पकड़ और कमजोर होगी तथा भारत-नेपाल रिश्ते प्रगाढ़ होंगे। नेपाल में पिछली कम्युनिस्ट सरकार के दौरान रिश्तों में तल्खी की वजह नेपाल का सीमा पर कुछ स्थानों जैसे लिपुलेख, कालापानी आदि को लेकर बढ़ा-चढ़ाकर दावा करना और उनके नक्शे जारी करना था। तब इसके पीछे यही समझा गया कि कम्युनिस्ट सरकार चीन के इशारे पर खेल रही है क्योंकि जिस प्रकार से मुद्दों का राजनीतिकरण किया गया वह बेहद चौंकाने वाला था। लेकिन शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत-नेपाल के बीच खुली सीमा है तथा इससे जुड़े विवादों का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। नेपाल के प्रधानमंत्री भी इससे सहमत दिखे हैं। वह भी बातचीत के जरिये मामलों के समाधान को लेकर राजी हुए हैं। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में नेपाल के रुख में पहले से ही बदलाव साफ दिख रहा है। लेकिन असल दिक्कत यह है कि देउबा सरकार भी कई कम्युनिस्ट गुटों के समर्थन पर टिकी है, इसलिए एकदम से यह मुद्दा किनारे हो जाएगा, ऐसा तो नहीं लगता। लेकिन फिर भी उम्मीद है कि तय मैकेनिज्म के जरिये इसे आने वाले दिनों में सुलझाया जाएगा। यह भी तय है कि अब यह मुद्दा पहले जैसा राजनीतिक रुख अख्तियार नहीं करेगा। जिस प्रकार ओली सराकर ने इस मुद्दे को हवा दी उसके बाद ही भारत और नेपाल की अधिसंख्य जनता को इसके बारे में पता चला। बैठक के दौरान भारत ने उन्हें यह भी समझाया कि जिस प्रकार भारत-बांग्लादेश के बीच तमाम सीमा विवाद सुलझा लिये गये हैं, वैसे ही भारत-नेपाल के बीच के विवाद भी सुलझ सकते हैं। नेपाल में भारत के रुपे कार्ड की लांचिंग भी चीन के लिए बड़ा झटका है। चीन वहां अपना अली पे ऐप को चलाना चाह रहा था जो भीम यूपीआई जैसा ऐप है। आरोप लगे थे कि इस ऐप से टैक्स चोरी बढ़ रही है। इस मामले में भारत की कूटनीति काम आई और रुपे को वहां लॉन्च कर दिया गया है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि नेपाल की अर्थव्यवस्था के डिजिटल होने में रुपे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विदेश मामलों के जानकारों की मानें तो नेपाल के मामले में चीन के दिन पहले से ही बुरे चल रहे हैं। अमेरिका-नेपाल के बीच पांच साल से लटके मिलेनियम कारपोरेशन चैलेंज (एमसीसी) समझौते को हाल में नेपाल की संसद ने चीन के न चाहते हुए भी मंजूरी दी है। अमेरिका ने जब द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की चेतावनी दी तो देउबा सरकार ने इसे मंजूरी दिलाई। इस समझौते के तहत अमेरिका से नेपाल को 50 करोड़ डॉलर की राशि विकास कार्यों के लिए मिलनी है, जबकि चीन नहीं चाहता था कि अमेरिका वहां निवेश करे। यह कदम भी नेपाल में चीन के लिए बड़ा झटका है। इसके अलावा बहुत दिनों से रुकी रेल सेवा के शुरू होने और अन्य समझौतों से भी भारत-नेपाल के बीच पुराने संबंधों को नये आयाम मिलने की संभावना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों ने फिर दिया झटका

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर इजाफा देखने को मिला है। तेल कंपनियों ने नवरात्रि के लगातार दूसरे दिन पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया है। कीमतों में हुई वृद्धि की वजह से दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल के लिए अब 103.41 रुपये का भुगतान करना होगा। इससे पहले कल यानी शनिवार को भी पेट्रोल और डीजलकी कीमतों में इजाफा किया गया था। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के आने के बाद से ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आग लगी हुई है। आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 80-80 पैसे की वृद्धि हुई है। बता दें, शुक्रवार को तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई इजाफा नहीं किया था।

महंगाई के विरोध में सड़कों पर उतरे शिवसैनिक, मोदी सरकार के खिलाफ किया जबरदस्त प्रदर्शन

मुंबई, (ईएमएस)। देश में महंगाई के विरोध में शिवसैनिक अब सड़कों पर उतर गए हैं. रविवार को मुंबई एवं आस-पास के शहरों में शिवसेना ने महंगाई के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया है. बढ़ती महंगाई का विरोध करने के लिए शिवसेना की ओर से युवा सेना के सचिव पद पर नियुक्त वरुण सरदेसाई के अगुवाई में शिवसैनिकों ने मुंबई में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए आवाज बुलंद की. महाराष्ट्र में सत्ता पर काबिज शिवसेना ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि देश में बेतहाशा महंगाई बढ़ रही है. इंधन के दामों सहित घरेलू गैस और रोजाना उपयोग होने वाली चीजों के दाम आए दिन आसमान छू रहे हैं. जिससे आम आदमी का जीना दुश्वार हो गया है. शिवेसना ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि रोजाना बढ़ते पेट्रोल, डीजल और गैस के दामों से आम लोगों की जेब ढीली होती जा रही है. बीते 13 दिनों में से 11 दिन पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी की गई है. महंगाई पर लगाम लगाने में मोदी सरकार पूरी तरह विफल रही है. आंदोलन में शामिल लोगों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कंधों पर गैस सिलेंडर लेकर अपने गुस्से का इजहार किया.

- 2014 से पहले कांग्रेस को दिया था दोष वही आज बीजेपी कर रही है- शिवसेना

शिवसेना युवा सेना के सचिव वरुण सरदेसाई ने कहा कि 2014 से पहले बीजेपी ने जिन चीजों के लिए कांग्रेस को दोष दिया था आज वही सभी चीजें बीजेपी कर रही है. डीजल पेट्रोल, सीएनजी और रसोई गैस के बढ़ते दामों के विरोध में महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों में शहरों में युवा सेना के तरफ से प्रदर्शन किया गया.

संजय/संतोष- 5.45/03 अप्रैल/ 2022/ईएमएस

पटरी से उतरे एलटीटी-जयनगर एक्सप्रेस के डिब्बे, राहत बचाव कार्य जारी

मुंबई, (ईएमएस)। रविवार दोपहर महाराष्ट्र के नासिक में एलटीटी-जयनगर एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए. जिसके बाद वहां अफरातफरी मच गई. एलटीटी-जयनगर एक्सप्रेस सुबह साढ़े ग्यारह बजे मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से बिहार के जयनगर के लिए निकली थी. मध्य रेलवे द्वारा जारी की गई ट्वीट में बताया गया है कि रविवार दोपहर करीब 3 बजकर 10 मिनट पर भुसावल मंडल पर नासिक के पास लाहवित और देवलाली के बीच 11061 एलटीटी-जयनगर एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए. भुसावल से दुर्घटना राहत चिकित्सा उपकरण और इगतपुरी से मेडिकल वैन मौके पर पहुंच गई है. अब तक, किसी की मौत की सूचना नहीं है. प्रथम दृष्टया कारणों की जांच की जा रही है. जानकारी के मुताबिक, अभी तक इस हादसे में जान-माल के नुकसान की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है. हालांकि मेडिकल टीम और और संबंधित कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं. शुरुआती जानकारी में 3-4 लोग घायल बताये जा रहे हैं. मौके पर रेलवे दुर्घटना राहत वैन को भी भेजा गया है.

नासिक के पास लाहवित और देवलाली के बीच एलटीटी-जयनगर एक्सप्रेस (पवन एक्सप्रेस) के 10 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। हादसे की सूचना पाकर एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन और मेडिकल वैन मौके के लिए रवाना हो गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक भुसावल मंडल पर नासिक के पास ट्रेन के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। इसकी सूचना तत्काल प्रभाव से रेलवे को दी गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की सूचना मिल रही है।

- हेल्पलाइन नंबर

सीएसएमटी- 022-22694040, सीएसएमटी- 022-67455993, नासिक रोड - 0253-2465816, भुसावल - 02582-220167, 54173 आपदा प्रबंधन कक्ष

हीली के रिकॉर्ड शतक से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैड को हराकर सातवीं बार जीता आईसीसी महिला विश्व कप

सिवर का नाबाद शतक गया बेकार

क्राइस्टचर्च (ईएमएस)। एलीसा हीली के रिकार्ड शतक से ऑस्ट्रेलिया ने यहां हेगले ओवल मैदान पर इंग्लैड को 71 रनों से हराकर सातवीं बार महिला एकदिवसीय विश्व कप खिताब जीता है। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए हीली के 170 रनों की सहायता से 357 रनों का बड़ा स्कोर बनाया पर इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड टीम 285 रनों पर ही सिमट गयी। इंग्लैंड की ओर से नताली सिवर ने सबसे ज्यादा नाबाद 148 रन बनाए पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पायीं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेस जोनासेन और अलाना किंग ने 3-3 विकेट लिए। हीली इस मैच में खुशकिस्मत रहीं। 41 रन के निजी योग पर इंग्लैंड ने उनका एक कैच छोड़ दिया जो उसकी हार का कारण भी बना। हीली ने अपनी 170 रनों की पारी में 138 गेंदों पर 26 चौके लगाए।

पहले बल्लेबाजी के दौरान हीली का उनकी सलामी जोड़ीदार रेचेल हेंस ने 93 गेंदों पर 68 रन और बेथ मूनी ने 47 गेंदों पर 62 रन बनाकर अच्छा साथ दिया। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम महिला विश्व कप फाइनल में सबसे बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। यह पुरुष और महिला विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम का दूसरा बड़ा स्कोर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम ने विश्व कप 2003 के फाइनल में भारत के खिलाफ दो विकेट पर 359 रन बनाए थे।

दोनों टीमें 34 साल बाद आईसीसी विश्व कप के फाइनल में आमने-सामने थीं। इससे पहले दोनों की टक्कर साल 1988 विश्व कप के फाइनल में हुई थी। ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम सातवीं बार फाइनल खेलने उतरी थीं जबकि इंग्लैंड की टीम छठी बार फाइनल में पहुची थी। इस विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 6 बार विश्व कप जीता था जबकि इंग्लैंड ने तीन बार ही यह खिताब जीता था। महिला विश्व कप की बात करें तो दोनों टीमें 82 बार आमने-सामने आईं थीं। इसमें से 56 मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बाजी मारी थी , वहीं इंग्लैंड ने 22 एकदिवसीय मैच जीते हैं जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा था।

कार्टून कोना

यूरिया घोटाले में 22 साल की देरी से क्लोजर रिपोर्ट दायर करने पर कोर्ट ने सीबीआई को कड़ी फटकार लगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूरिया घोटाले में 22 साल की देरी से क्लोजर रिपोर्ट दायर सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को विशेष अदालत ने खारिज कर दिया। अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को कड़ी फटकार भी लगाई है। कोर्ट ने 1995 के यूरिया घोटाले से जुड़े एक मामले में जांच एजेंसी के निदेशक से यह सुनिश्चित करने को कहा कि 'ऐसा घोर अन्याय' फिर से न हो।

विशेष जज ने हाल ही में पारित आदेश में कहा कि मामले में सीबीआई ने आखिरी बार तफ्तीश 1999 में की थी। इससे यह स्पष्ट है कि जांच एजेंसी ने अब तक रिपोर्ट दबाए रखी। उन्होंने सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई के संयुक्त निदेशक को मामले की जांच करने और अपनी रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। जस्टिस राठी ने कहा, जाहिर है कि जब वर्तमान अंतिम रिपोर्ट दायर की गई थी, तब जांच अधिकारी और संबंधित एसपी ने 22 साल की इस देरी के बारे में चर्चा करना जरूरी नहीं समझा, जबकि उनके पास इसका मौका था। देरी की वजहें समझाने में जानबूझकर साधी गई ऐसी चुप्पी कानूनी रूप से अस्वीकार्य है। यह स्पष्ट रूप से इस अदालत के लिए चिंता का विषय है और जांच एजेंसी के प्रमुख यानी सीबीआई निदेशक के लिए भी फिक्र का कारण होना चाहिए।

जज ने कहा, सीबीआई निदेशक इस मामले को देखेंगे और जरूरी कार्रवाई करेंगे। वह यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाएंगे कि 'घोर अन्याय' दोबारा न हो। उन्होंने कहा, यह सीबीआई का मुकदमा नहीं है कि 1999 से 2021 तक इसमें कोई जांच की जा रही थी। ऐसे में यह समझ से परे है कि उसी अंतिम रिपोर्ट को इतने समय तक क्यों दबाए रखा गया था और इसका क्या उद्देश्य था।'' सीबीआई ने 19 मई 1996 को यूरिया घोटाला मामला दर्ज किया था। आरोपियों पर एक आपराधिक साजिश के तहत नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड (एनएफएल) को 133 करोड़ रुपये की चपत लगाने का आरोप था। मुख्य मामले में एनएफएल के कई अधिकारियों, कारोबारियों और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के भतीजे बी संजीव राव को दोषी ठहराया गया था। सीबीआई ने जिस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी, वह चार जून 1997 को दर्ज किया गया था और एक लाख मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति से जुड़ी थी।

पवार का राज ठाकरे पर तंज, अपने बयानों पर कायम नहीं रहते

मुंबई (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने जाति की राजनीति करने के मनसे प्रमुख राज ठाकरे के आरोप को खारिज किया है। पवार ने कहा कि मनसे अध्यक्ष किसी भी मुद्दे पर कभी एक राय नहीं रखते हैं और साल में तीन से चार महीने सुषुप्त अवस्था में रहते हैं, जो उनकी खासियत है। दरअसल मुंबई में शिवाजी पार्क में रैली में राज ठाकरे ने पवार की आलोचना करते हुए उन पर समय-समय पर जातिगत कार्ड खेलने और समाज को बांटने का आरोप लगाया था। पवार ने कहा कि इसके विपरीत राकांपा ने सभी जातियों के लोगों को एकजुट किया है। राज ठाकरे को टिप्पणी करने से पहले राकांपा का इतिहास पढ़ना चाहिए। महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) प्रमुख के भाषण के सवाल के जवाब में पवार ने तंज कसते हुए कहा, ठराज ठाकरे तीन से चार महीने सोए रहते हैं, अचानक भाषण देने के लिए जाग जाते हैं। यह उनकी खासियत है। मुझे नहीं पता कि वह इतने महीनों तक क्या करते हैं।ठ

पवार ने कहा कि मनसे प्रमुख कई बातें कहते हैं लेकिन उन पर टिके नहीं रहते। उन्होंने कहा, वह राकांपा और जाति की राजनीति के बारे में बात करते हैं। असलियत यह है कि छगन भुजबल और मधुकरराव पिचड सहित अन्य नेताओं ने सदन में राकांपा के नेता के तौर पर काम किया है। हर कोई जानता है कि वे किस जाति से आते हैं।ठ पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनके भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार विधानसभा में 30 साल पूरे करने के बाद सदन के नेता बने।

राज के उत्तरप्रदेश की तारीफ करने के बारे में पूछने पर पवार ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले भी कहा है कि वह किसी भी चीज के बारे में बात कर सकते हैं। मुझे नहीं पता कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में क्या देखा। उत्तरप्रदेश में हाल में क्या हुआ? उन्होंने कहा, ''(उप्र में) चुनाव नतीजे अलग वजहों से अलग थे। लेकिन लखीमपुर खीरी में यूपी की सीमाओं पर किसान प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन कोई भी उनके मुद्दे हल करने नहीं आया।'उन्होंने कहा कि योगी सरकार के दौरान कई चीजें हुई और अगर वह (राज ठाकरे) सरकार की तारीफ कर रहे हैं,तब मैं कुछ नहीं कहना चाहता। यह पूछने पर कि क्या राज ठाकरे महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनावों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी के अनुसार अपनी पार्टी का रुख पेश करने की कोशिश कर रहे हैं, इस पर पवार ने पिछले चुनावों में मनसे के खराब प्रदर्शन का हवाला दिया।

जन हितैषी

श्रीलंका में संकट

श्रीलंका में गहराया आर्थिक संकट दिन-प्रतिदिन बड़ा होता जा रहा है। हालत यह है कि श्रीलंका में बिजली बचाने के लिए स्ट्रीट लाइट तक भी बंद की रखी जा रही हैं। स्टेट पावर मोनोपोली ने भी 13 घंटे बिजली कटौती लागू की है, क्योंकि उसके पास जनरेटर के लिए डीजल नहीं है। इधर, देश में गहराती आर्थिक समस्या को लेकर लोग सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। गुरुवार की देर रात हजारों लोगों ने राष्ट्रपति गोटाभाया राजपक्षे के निवास के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। लोग पोस्टर लहराते हुए नारेबाजी कर रहे थे। इस दौरान हुई हिंसा में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। देश में फ्यूल और गैस की कमी हो गई है। हालात पेट्रोल-डीजल के लिए लोगों को कई घंटों तक लाइन में लगाना पड़ रहा है। एजुकेशनल बोर्ड के पास कागज और स्याही खत्म हो गई है, जिसके बाद परीक्षा अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई हैं। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में टूरिज्म सेक्टर का बड़ा रोल है, लेकिन कोरोना की मार से यह पहले ही ठप पड़ा है। टूरिज्म देश के लिए फॉरेन करेंसी का तीसरा बड़ा सोर्स है। इसके कमजोर पड़ने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खाली हो चुका है। करीब 5 लाख श्रीलंकाई सीधे पर्यटन पर निर्भर, जबकि 20 लाख अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़े हैं। श्रीलंका की जीडीपी में टूरिज्म का 10 फीसदी से ज्यादा योगदान है। टूरिज्म से सालाना करीब 5 अरब डॉलर (करीब 37 हजार करोड़ रुपए) फॉरेन करेंसी श्रीलंका को मिलती है। श्रीलंका के मौजूदा हालात में चीन और भारत के साथ इस देश के संबंधों ने दिलचस्प मोड़ लिया है। अब तक श्रीलंका दोनों देशों को संतुलित करने और चीन-भारत के भू-राजनीतिक हितों से लाभ उठाने की कोशिश करता रहा है। अब वह मदद के लिए भारत की तरफ देख रहा है। 1948 में स्वतंत्रता मिलने के बाद से श्रीलंका सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। श्रीलंका ने चीन से कुल पांच अरब डॉलर का कर्ज ले रखा था। इसके बाद 2021 में भी चीन से एक अरब डॉलर का और कर्ज लिया। श्रीलंका साल भर के अंदर बदहाली के कगार पर इस कदर पहुंच गया कि वहां के लोग देश छोड़कर भारत के कई हिस्सों में पलायन तक करने लग गए। सालभर पहले श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार पांच अरब डॉलर से ज्यादा होता था और यह वह एक अरब डॉलर तक आ चुका है। उसके दिवालिया होने के अनुमान लगाए जा रहे हैं। तेल-गैस की मारामारी है। इस कारण बिजली कटौती चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट है। ये सभी घटनाएं बैलेंस ऑफ पेमेंट्स संकट के परिणाम हैं। श्रीलंका 2020 की शुरुआत से संघर्ष कर रहा है। कोविड-19 महामारी के कारण श्रीलंका ने पर्यटन से अर्जित किए जाने वाली वार्षिक विदेशी मुद्रा प्रवाह का चार अरब डॉलर गंवा दिया। आर्थिक मोर्चे पर कई फैसले नुकसानदायक साबित हुए। श्रीलंका की विदेशी मुद्रा अंतर्वाह में भारी कमी आई। अप्रैल 2021 तक श्रीलंका पर 35 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज था, जिसमें चीन की हिस्सेदारी 10 फीसद थी। श्रीलंका ने हंबनटोटा पोर्ट को एक हजार करोड़ रुपए में 99 साल के लिए चीन को लीज पर दिया हुआ है। कुछ साल पहले चीनी निवेश की मदद से हंबनटोटा में एक बड़ी बंदरगाह परियोजना की शुरुआत की गई थी। चीन के कर्ज की मदद से शुरू की गई अरबों डॉलर की यह परियोजना विवाद में फंस गई। परियोजना पूरी नहीं हो पा रही थी और श्रीलंका चीन के कर्ज तले दबता गया। अब हालत यह है कि वहां एक किलो चीनी 290 रुपए में, एक किलो चावल पांच सौ रुपए और चार सौ ग्राम दूध का पाउडर 790 रुपए में मिल रहा है। श्रीलंका तेल, खाद्य पदार्थ, कागज, चीनी, दाल, दवा और यातायात के पुर्जों के लिए आयात पर निर्भर है। श्रीलंका में अभी भी 20 फीसद परिवार भोजन बनाने के लिए केरोसिन पर निर्भर हैं। केरोसिन भी लोगों को नहीं मिल रहा है। कच्चा तेल नहीं होने के कारण सरकार को एकमात्र तेल शोधनागार बंद करना पड़ा है।

राजस्थान का लोकपर्व है गणगौर

(04 अप्रैल पर विशेष) कला-संस्कृति :

राजस्थान का नाम सुनते ही मन अपने आप ही आनंदित हो उठता है। राजस्थान कि कुछ ऐसी ही तस्वीर लोगों के मन में बनी रहती है। जहां एक तरफ राजस्थान के बहादुर योद्धाओं की कहानियों से इतिहास भरा पड़ा है। वहीं यहां के पर्व त्यौहार भी अपने आप में अलग ही महत्व रखतें हैं। राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने आप में एक पुरानी विरासत को संजोए हुए हैं। गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है।

होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है।

कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रृद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रृद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं:-

गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।

गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुए से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं:-

म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाटयारी मुकुट करो,

बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो,

म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो।

लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती है एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैं:-

म्हारा बाबाजी के माण्डी गणगौर, दादसरा जी के माण्डयो रंगरो झूमकड़ो,

ल्यायोजी - ल्यायो ननद बाई का बीर, ल्यायो हजारी ढोला झुमकड़ो।

रात को गणगौर की आरती की जाती है तथा लड़कियां नाचती हुई गाती हैं। गणगौर पूजन के मध्य आने वाले एक रविवार को लड़कियां उपवास करती हैं। प्रतिदिन शाम को क्रमवार हर लडकी के घर गणगौर ले जायी जाती है। जहां गणगौर का ''बिन्दौरा'' निकाला जाता है तथा घर के पुरुष लड़कियों को भेंट देते हैं। लड़कियां खुशी से झूमती हुई गाती हैं:-

ईसरजी तो पेंचो बांध गोराबाई पेच संवार ओ राज म्हे ईसर थारी सालीछां।

गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का सिंजारा किया जाता है। लड़कियां मेहन्दी रचाती हैं। नये कपड़े पहनती हैं, घर में पकवान बनाये जाते हैं। सत्रहवें दिन लड़कियां नदी, तालाब, कुए, बावड़ी में ईसर गणगौर को विसर्जित कर विदाई देती हुई दुःखी हो गाती हैं:-

गोरल ये तू आवड़ देख बावड़ देख तन बाई रोवा याद कर।

गणगौर की विदाई का बाद कई महिनो तक त्यौहार नहीं आते इसलिए कहा गया है-''तीज त्यौहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर''। अर्थात् जो त्यौहार तीज (श्रावणमास) से प्रारम्भ होते हैं उन्हें गणगौर ले जाती है। ईसर-गणगौर को शिव पार्वती का रूप मानकर ही बालाऐं उनका पूजन करती हैं। गणगौर के बाद बसन्त ऋतु की विदाई व ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत होती है। दूर प्रान्तों में रहने वाले युवक गणगौर के पर्व पर अपनी नव विवाहित प्रियतमा से मिलने अवश्य आते हैं। जिस गोरी का साजन इस त्यौहार पर भी घर नहीं आता वो सजनी नाराजगी से अपनी सास को उलाहना देती है। ''सासू भलरक जायो ये निकल गई गणगौर, मोल्यो मोड़ों आयो रे''।

राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो अनुचित नहीं होगा। सम्प्रदाय यहां वैचारिक दृष्टि से फले फूले हैं। उन सब में परस्पर सहिष्णुता एवं एक दूसरे के उपास्य देवों के प्रति सहज सम्मान का भाव रहा है। राजस्थानी शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सदा सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी पौराणिक एवं वैदिक देवी देवताओं के मन्दिर हैं। उनके उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। काल प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है। हमें आज आवश्यकता है इस लोकोत्सव को अच्छे वातावरण में मनाये। हमारी प्राचीन परम्परा को अक्षुण बनाये रखे। इसका दायित्व है उन सभी सांस्कृतिक परम्परा के प्रेमियों पर है जिनका इससे लगाव है। जो ऐसे पर्वो को सिर्फ पर्यटक व्यवसाय की दृष्टि से न देखकर भारत के सांस्कृतिक विकास की दृष्टि से देखने के हिमायती हैं। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा / ईएमएस)

अल्लाह की इबादत का मुकद्दस पर्व है रमजान

(धर्म-संस्कृति)

मुकद्दस रमजान सब्र ,प्रेम और भाईचारे के साथ साथ अल्लाह की खिदमत का एक खास महिना है। इस्लाम धर्म को मानने वाला हर मुस्लमान रमजान का बेसब्री से इन्तजार करता है। रमजान शुरू होते है तो हर रोजेदार की दिनचर्या बदल जाती है। बडे सवेरे उठना और अल्लाह को याद करने के साथ ही पांचो वक्त की नमाज रोजेदार को अल्लाह की इबादत का मौका दिलाती है। रमजान की शुरूआत भी चांद से ही होती है और रमजान पूरे होने पर ईद का जब चांद निकलता है तो सबके चेहरे पर खुशी छा जाती है। दरअसल रमजान के सकुशल बीतने की खुशी में ही अल्लाह को शुक्रिया अदा करने के लिए ही ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है। वही अल्लाह के नेक बन्दो की खिदमत का भी मुबारक मौका है ।नमाज के बाद अल्लाह ने जो दूसरी इबादत मुसलमानों के लिए अनिवार्य की है वह है रोजा। रोजे से मुराद ये है कि रमजान के महीने में 30 दिन तक सुबह से शाम तक खाना-पीना नहीं होगा।

नमाज की तरह ही इबादत रोजा भी अल्लाह के भेजे सभी पैगंबरों के मानने वालों पर फर्ज हैं और आज भी अधिकतर धर्मों में किसी न किसी रूप में मौजूद हैं।

वास्तव में इस्लाम का रोजे से तात्पर्य यह है कि बंदा अपना जीवन रब की इच्छा और उसके आदेशों को मानते हुए गुजार दे। साल भर में रमजान महीने के रोजे इसी मकसद का प्रशिक्षण हैंइस्लामिक कैलेंडर के नौवें महीने को रमज़ान का महीना कहा जाता है। इस महीने में तीस दिनों तक रोज़ा रखना प्रत्येक मुस्लिम के लिए अनिवार्य बताया गया है। मुसलमानों के लिए यह पाक रोज़ा का महीना होता है। रोज़ा के लिए जो अरबी शब्द बोला जाता है, उसे 'सॉम' कहते है,इसका शाब्दिक अर्थ है 'संयम करना।' सॉम शब्द इस महीने की सच्ची भावना को दर्शाता है। जिसमें सूर्योदय से सूर्यास्त होने तक रोज़ा रखना होता है।

रोज़े का मतलब होता है व्यक्ति के मन को अध्यात्म से जोड़ना। जिससे उसके अंदर कृतज्ञता और स्नेह का ऐसा भाव उत्पन्न हो। जिससे व्यक्ति पूरे वर्ष संयम और नियम से चल पाए। सूर्यास्त के एक दम बाद रोज़ा खोला जाता है। रोजेदार मुस्लिम खजूर और पानी के साथ इफ़्तार करते हैं। क्योंकि हज़रत मुहम्मद साहब अपना रोज़ा खजूर और पानी से खोलते थे।

रमज़ान में मुस्लिम समाज एक अतिरिक्त नमाज़ पढ़ते हैं जिन्हें तरावीह कहा जाता है। तरावीह की नमाज़ रात की नमाज़ के बाद मस्जिद में सामूहिक रूप से पढ़ी जाती है। इस नमाज़ में पूरा कुरआन रमज़ान के महीने के अंदर पढ़ा जाता है। रमज़ान में कुरआन पढ़ने पर अत्यधिक ज़ोर दिया गया है। ताकि प्रत्येक रोज़ेदार इस पर चिंतन कर सके। आज कल के हालात के चलते विश्वभर के मुस्लिम चिंतित हैं कि वे तरावीह की नमाज़ कैसे अदा करेंगे। लेकिन यह कोई चिंता का विषय नहीं। हदीस की किताब अल-बुख़ारी में आता है की इस्लाम के पैगंबर तरावीह की नमाज़ अकेले घर पर पढ़ते थे, मस्जिद में नहींएक माह तक रोजा रख चुके लोग नये नये कपडे पहनकर ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह जाते है। ईदगाह में नमाज के

बाद एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जाती है।लेकिन इस बार कोरोना के चलते बिना गले मिले ही दिल से एक दूसरे को दुआएं देंगे तो अच्छा रहेगा। रमजान के बाद आने वाली ईद उल फितर की शुरूआत जगं ए बदर के बाद सन 624 ईसवी के पैगम्बर मौहम्मद साहब द्वारा ईद उल फितर

मनाने से मनाने से हुई थी। रमजान साल का एक अनूठा महिना होता है। इस महिने में हर मुस्लमान जंहा ज्यादा से ज्यादा समय अल्लाह की रहमत

में गुजारना चाहता है। वही वह स्वयं को सुधारने व खुदा के बन्दो के चेहरो पर रौनक लाने के लिए उनके हर गम में शरीक होता है। जोखुदा के बन्दे पैसो से मोहताज है, भूखे है ,लाचार है उनकी हर हाल में मदद कर उन्हे बराबरी पर लाने की कौशिश की जाती है।

रमजान के महिने में हर दिन पाक साफ रहने की हिदायत है ताकि रोजेदार हर तरह के गुनाहो से दूर रहे। आपसी भाईचारे से रहना सीखे। खुदा की इबादत करे। नेकी करे लेकिन ईद उल फितर की खुशी

के मौके पर कैसे हो दिन की शुरूआत यह भी इस्लाम में बताया गया है । इस्लाम धर्म से जुड़े सलीम खान बताते है कि ईद उल फितर के दिन की शुरूआत फजर की नमाज के साथ होती है। रमजान में तीस

दिनो तक रोजा रख चुके रोजेदारो एवं उनको भी जो बीमारी या फिर किसी अन्य वजह से रोजा नही रख पाए ,को मिस्वाक दातून करने के बाद गुसल नहाना करना चाहिए। फिर साफ कपडे पहनकर कपडो पर इतर की खुशबू के साथ कुछ खाकर ईदगाह जाना चाहिए। ध्यान रहे ईद की नमाज से पहले फितरा और जकात की जरूरी रस्म नही भूलनी चाहिए। यही वह रस्म है जो गरीब और मोहताज पडौसी के चेहरे पर सहायता की रौनक लाती है।

इस्लाम मानता है कि मनुष्य में वासनाएं,इच्छाएं,और भावनाएं प्राकृतिक रूप से समाहित है इसी कारण उसके स्वभाव में तेजी,उत्तेजना

और जोश होता है। जिसे जड से तो समाप्त नही किया जा सकता लेकिन

नियन्त्रित जरूर किया जा सकता है। इस नियन्त्रण के लिए ही रमजान में रोजो की

व्यवस्था की गई है। ताकि मनुष्य अल्लाह को याद करने के साथ साथ अपने अन्दर की बुराईयों को दूर करते हुए आत्म नियन्त्रण करना सीखे और एक अच्छे भले इंसान के रूप में अपने जीवन का यापन करे। वैसे तो इस्लाम में हर रोज पांच वक्त की नमाज पढने की हिदायत दी गई है। लेकिन रमजान में एक विशेष नमाज़ भी अता की जाती है।

लेकिन रमजान के दिनो में चूंकि हर रोजेदार अल्लाह के करीब होता है इसलिए पांचो वक्त की नमाज पढना वह अपना फर्ज समझता है। रोजा रखने से

जहां पेट बिलकुल ठीक रहता है और शरीर का शुद्धिकरण हो जाता है। वही पांचो वक्त की नमाज पढने से उसकी योगिक क्रियाएं भी हो जाती

है। नमाज की शरीरिक स्थिति इस तरह की होती है कि सभी तरह के आसन और प्राणायाम अल्लाह की इबादत में पूरे हो जाते है। ईदगाह में ईद की नमाज अदा करते समय तकबीर पढे,अल्लाह हु अकबर

अल्लाह हु अकबर लाईलाह इल्लाह अल्लाह हु अकबर बडा है अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक नही । सारी तारीफे अल्लाह के लिए है।

ईदगाह की नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को ईद की बधाई देने व लेने में जो खुशी मिलती है उसको जरूर प्राप्त करना चाहिए। ईद की बधाई में सिर्फ मुस्लमान ही नही हिन्दू,सिख और ईसाइ भी शरीक

होते है। यह वह त्योहार है जो हमे इंसानियत की सीख देता है। जो दूसरो की भलाई का जज्बा देता है और मुल्क की तरक्की व हिफाजत का जुनून देता है। ईद की खुशी रोजेदारो को तभी से मिलनी शुरू हो जाती है। जब रमजान में रोजेदार मुस्लमानो के साथ साथ दूसरे धर्मो से जुडे लोग भी रोजा इफतार की रस्म में शरीक होकर आपसी

भाईचारे व एकता का पैगाम देते है। रोजा इफतार कार्यक्रमो का सिलसिला रमजान में लगातार चलता है। राजनीतिक पार्टियों से लेकर स्वयंसेवी

संस्थाएं भी रोजा इफतार के कार्यक्रम करके रोजेदारो की रोजा ईफतारी कराकर शबाब कमाती है। रमजान के दौरान

प्रधानमन्त्री से लेकर छोटे से छोटे राजनेता भी रोजा इफतारी का कार्यक्रम करते आए है। कुछ लोग इसका नाजायज रूप में राजनीतिक इस्तेमाल भी करने लगे है। जिससे इसकी पवित्रता प्रभावित होने लगी। इसलिए हमे केवल ओर केवल धार्मिक भावना के तहत ही रोजा इफतारी कराकर रोजेदारो की खिदमत करनी चाहिए और उन्हे तहेदिल से मुबारकबाद देकर

भाईचारे में इजाफे की शुरूआत करनी चाहिए।यही इस मुकद्दस पर्व का मकसद भी है। (लेखक- डा0श्रीगोपालनारसन/ईएमएस)

आज का इतिहास 4 अप्रैल

1783 वारेन हेस्टिंग्स के खिलाफ ब्रिटिश संसद ने भ्रष्टाचार के ग्यारह आरोप लगाए.

1858 हागू रोज के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों से भीषण लड़ाई के बाद झांसी की रानी लक्ष्मीबाई झांसी से काल्पी और ग्वालियर गई.

1889 साहित्यकार माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म.

1904 प्रसिद्ध गायक कुंदनलाल सहगल का जन्म.

1912 चीनी गणराज्य की घोषणा तिब्बत में की गई.

1942 बावरिया में बंगाल की खाड़ी में तीन ब्रिटिश जहाजों को डुबा दिया गया.

1942 वाशिंगटन में उत्तर अटालांटिका संधि पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, पुर्तगाल, नार्वे डेनमार्क, आइसलैंड और कनाडा ने हस्ताक्षर किये.

1961 हाउस्ट, टेक्सास के एक अस्पताल में कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण किया.

1964 आर्क बिशप मकारियोस ने यूनान, तुर्की और साइप्रस के बीच हुई संधी को रद्द कर दिया.

1984 प्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा सोयूज टी-11 यान से अंतरिक्ष में गए.

1986 इसरायल ने राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुर्त वाल्दहीम से संबंधित फाइलों को देखने की मांग की.

1994 भारतीय उपग्रह स्त्रोससी-2-का श्रीहरिकोटा में सफल परीक्षण.

2005 राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का शुभारंभ.

फौजी शिंकजे में ढील

केंद्र सरकार ने असम, नगालैंड और मणिपुर के ज्यादातर क्षेत्रों से अफ्सपा याने 'आर्म्ड फोर्सेज़ स्पेशल पावर्स एक्ट' को हटाकर सराहनीय कदम उठाया है। 1958 में यह कानून नेहरु सरकार को इसलिए बनाना पड़ा था कि भारत के इन पूर्वी सीमा के प्रांतों में काफी अराजकता फैली हुई थी। कई बागी संगठनों ने इन प्रांतों को भारत से तोड़ने का बीड़ा उठा रखा था। उन्हें ईसाइयत के प्रचार के नाम पर पश्चिमी मुल्क भरपूर सहायता दे रहे थे और चीन समेत कुछ पड़ौसी देश भी उनकी सक्रिय मदद कर रहे थे। इसीलिए इस कानून के तहत भारतीय फौज को असाधारण अधिकार प्रदान कर दिए गए थे। इन क्षेत्रों में नियुक्त फौजियों को अधिकार दिया गया था कि वे किसी भी व्यक्ति पर ज़रा भी शक होने पर उसे गिरफ्तार कर सकते थे, उसकी जांच कर सकते थे और उसे कोई भी सजा दे सकते थे। उन्हें किसी वारंट या एफआईआर की जरुरत नहीं थी। इन फौजियों के खिलाफ न तो कोई रपट लिखवा सकते थे और न ही उन पर कोई मुकदमा चल सकता था। दूसरे शब्दों में इन क्षेत्रों की जनता 'मार्शल लॉ' के तहत जीवन गुजार रही थी। कई निर्दोष और निरपराध लोग भी इस कानून की चपेट में आते रहे हैं। लगभग इन सभी राज्यों की सरकारें इस कानून को हटाने की मांग करती रही हैं। इस कानून को हटाने की मांग को लेकर मणिपुर से इरोम शर्मिला नामक महिला ने 16 वर्ष तक लगातार अनशन किया। यह विश्व का सबसे लंबा और अहिंसक अनशन था। हालांकि यह कानून अभी हर क्षेत्र से पूरी तरह नहीं हटाया गया है, फिर भी 60 प्रतिशत क्षेत्र इससे मुक्त कर दिए गए हैं। पिछले 7-8 सालों में उग्रवादी हिंसक घटनाओं में 74 प्रतिशत की कमी हुई है। सैनिकों की मौत में 60 प्रतिशत और नागरिकों की मौत में 84 प्रतिशत कमी हो गई है। पिछले साल 4 दिसंबर को नगालैंड के मोन जिले में फौज के अंधाधुंध गोलीबार से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना ने उक्त कानून की वापसी की मांग को काफी तेज कर दिया था। सच्चाई तो यह है कि पूर्वी सीमांत के इन इलाकों में इस तरह का कानून और पुलिस का निरंकुश बर्ताव अंग्रेजों के जमाने से चल रहा था। केंद्र की विभिन्न सरकारों ने समय-समय पर इस कानून में थोड़ी-बहुत ढील तो दी थी लेकिन अब केंद्र सरकार ने इसे पूरी तरह से हटाने का रास्ता खोल दिया है। पिछले कुछ वर्षों में इन इलाकों के लगभग 70,000 उग्रवादियों ने आत्म-समर्पण किया है। लगभग सभी राज्यों में भाजपा या उसकी समर्थक सरकारें हैं याने केंद्र और राज्यों के समीकरण उत्तम है। 2020 का बोदो समझौता और 2021 का कर्बी-आंगलोंग पेक्ट भी शांति की इस प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह खुद इन क्षेत्रों के नेताओं के बीच काफी सक्रिय हैं। यही प्रक्रिया चलती रही तो अगले कुछ ही वर्षों में ये सीमांत के क्षेत्र भी दिल्ली और मुंबई की तरह संपन्न हो सकेंगे। (डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस) 4

दैनिक पंचांग

04 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.24 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	08.04 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.02 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.16 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	14.32 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कन्या	16.44 बजे से
शनि	मकर में	तुला	18.54 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	21.09 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	23.25 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मकर	01.30 बजे से
		कुंभ	03.17 बजे से
		मीन	04.50 बजे से

सोमवार 2022 वर्ष का 94 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** तृतीया 13.56 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 14.28 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 07.42 बजे को समाप्त।
करण गर 13.56 बजे तदनन्तर वणिज 02.47 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 02.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 36'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871208
जूलियन दिन 2459673.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रमजान **तारीख** 02
विशेष गौरी पूजा, गणगौर, मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7245

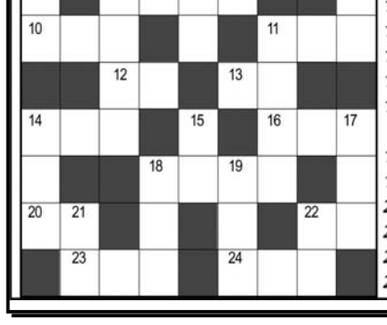

बाएँ से दाएँ

1.कवि की रचना,गजल-3
3.अनुमान,अंदाज-3
5.सदपुरुष-2
6.अयोग्य,असंगत -2
8.स्वार्थ,लोभ-4
10.सहयोग,सहकार-3
11.उन्माद,सनक-3
12.भगवान का अराधक-2
13.ठंडक,शीतलता-2
14.दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16.चांदी-3
18.गंवारपन,अशिष्टता-4
20.पैंदा,तला-2
22.वर्तमान दिन-2
23.बहने का भाव-3
24.गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1.हुनर,फन,आर्ट-2
2.बल,दम,जोर-3
3.समीप,नजदीक-3
4.गलत का विलोम-2
5.भ्रम,संदेह-3
7.उपनदी,कैनाल-3
8.नशे से भरपूर-4
9.लाख,सौ हजार-2
11.स्वभाव,आदत-4
14.स्वास्थ्य-3
15.इस जगह-2
17.तहजीब,शिष्टता-3
18.इकट्ठा होना-3
19.रेखा,लाइन-3
21.होंठ,अधर-2
22.आगमन-2

शब्द पहेली - 7244 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

थाईलैंड ओपन से बाहर हुई मीनाक्षी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय मुक्केबाज मीनाक्षी थाईलैंड ओपन से बाहर हो गयी हैं। मीनाक्षी को महिलाओं के 51 किग्रा भार वर्ग में स्थानीय मुक्केबाज जितपोंग के हाथों पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा है। इस करीबी मुकाबले में मीनाक्षी को खंडित फैसले में 3-2 से हार झेलनी पड़ी। इस मुकाबले के पहले दौर में दोनों मुक्केबाजों ने शुरुआत में रक्षात्मक रुख अपनाया पर दूसरे दौर में आक्रामक रुख अपनाते हुए दोनों ने ही एक दूसरे पर कई प्रहार किये।

वहीं अंतिम दौर में दोनों मुक्केबाजों के बीच कांटे की टक्कर हुई। यहां मीनाक्षी ने कुछ अच्छे प्रहार किया पर यह उन्हें जीत दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं थी।

इस प्रतियोगिता में छह भारतीय महिला मुक्केबाज सोमवार को अपने मुकाबले में जीत के लिए उतरेंगी। इसमें महिला वर्ग में मोनिका (48 किग्रा), रेणु (54 किग्रा), 2019 एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा (57 किग्रा), मोनिका (63 किग्रा) और भाग्यवती कचारी (75 किग्रा) रिंग में उतरेंगी। वहीं आशीष कुमार 81 किग्रा क्वार्टर फाइनल में स्थानीय मुक्केबाज अफीसित खानखोखरुइया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

हैली बनी महिला विश्वकप टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

क्राइस्टचर्च (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ 170 रनों की रिकार्ड पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलिसा हीली को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी करार दिया है। अपनी इस पारी के साथ ही हीली ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान कारेन रोल्टन (2005), इंग्लैंड की क्लेरी टेलर (2009), न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (2013) और इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट (2017) के विशेष क्लब में शामिल हो गयी हैं। हीली ने न्यूजीलैंड में खेले गये इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 509 रन बनाए। उन

संकट से जूझते श्रीलंका में अपने सैनिक नहीं भेज रहा भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में भारत अपने सैनिकों को नहीं भेज रहा है। इस बात की जानकारी श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने दी है। उच्चायोग ने उन रिपोर्ट्स का खंडन किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि भारत, श्रीलंका में सैनिक भेजने की तैयारी कर रहा है। दक्षिण एशियाई मुल्क में सरकार से नाराज जनता सड़कों पर उतर आई है। हालात की गंभीरता के मद्देनजर श्रीलंका में 36 घंटों का कर्फ्यू लगाया गया है। उच्चायोग ने ट्वीट किया, 'उच्चायोग मीडिया के एक वर्ग में जारी झूठी और निराधार खबरों का मजबूती से खंडन करता है कि भारत अपने सैनिक श्रीलंका भेज रहा है। उच्चायोग ऐसी गैर-जिम्मेदाराना रिपोर्टिंग की भी निंदा करता है और उम्मीद करता है कि संबंधित अफवाहें फैलाना बंद कर देंगे।' कुछ रिपोर्ट्स सामने आई थी कि भारत गोटबाया राजपक्षे की अगुवाई वाली सरकार के लिए सैनिक भेजने की योजना बना रहा है। हालांकि, भारत ने संकट से जूझते श्रीलंका की मदद के लिए 40 हजार मीट्रिक टन डीजल की खेप भेजी है। कोलंबो में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, 'भारत की तरफ से श्रीलंका को और ईंधन की आपूर्ति की गई। 500 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट के जरिए भारतीय सहयोग के जरिए 40 हजार एमटी डीजल की खेप उच्चायोग की तरफ से माननीय ऊर्जा मंत्री गामिनी लोकुगे को सौंपी गई आगे जानकारी दी गई, 'यह एलओसी के तहत चौथी खेप है। भारत की तरफ से बीते 50 दिनों में दो लाख टन ईंधन भेजा गया।' खबर है कि श्रीलंका में शनिवार से कर्फ्यू शुरू हो गया है, जो सोमवार तक जारी रहेगा। इससे पहले भी श्रीलंकावासियोंने राष्ट्रपति राजपक्षे के घर के बाहर जमकर प्रदर्शन किया था। खबरें थी कि देश में हालात काफी बिगड़ते जा रहे हैं। जनता बिजली कटौती से खासे परेशान हैं।

सीबीआई अब ''पिंजरे में बंद तोता'' नहीं है - किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (ईएमएस)। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट कर कहा है कि सीबीआई अब ''पिंजरे में बंद तोता'' नहीं है और देश की शीर्ष अपराधिक जांच एजेंसी के रूप में अपना कर्तव्य निभा रही है।

रिजिजू ने रविवार को ट्वीट कर कहा, 'सीबीआई अब 'पिंजरे में बंद तोता' नहीं है, बल्कि वास्तव में भारत की शीर्ष आपराधिक जांच एजेंसी के रूप में अपना कर्तव्य निभा रही है।' उन्होंने सीबीआई के जांच अधिकारियों के पहले सम्मेलन में शनिवार को दिए गए अपने संबोधन का एक छोटा वीडियो भी साझा किया।

रिजिजू ने अपने संबोधन में कहा था, 'मुझे अच्छी तरह याद है कि एक समय था, जब सरकार में बैठे लोग कभी-कभी जांच में बाधा बन जाते थे।' उन्होंने कहा कि आज एक ऐसा प्रधानमंत्री है जो खुद भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम में मुख्य भूमिका निभा रहा है।

कानून मंत्री ने कहा, 'मैं उन कठिनाइयों को जानता हूं जब सत्ता में बैठे लोग भ्रष्टाचार में शामिल होते हैं, तब उनका अनुपालन करना मुश्किल होता है।।। सीबीआई के लिए यह मुश्किल भरा रहा। तब हमने अतीत में न्यायपालिका से कुछ तल्ख टिप्पणियां सुनी हैं। हम अब एक लंबा सफर तय कर चुके हैं।'

उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2013 में कोयला खदान आवंटन मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई को ''पिंजरे में बंद तोता'' करार दिया था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के स्थापना दिवस पर एक अप्रैल को 19वां डीपी कोहली स्मृति व्याख्यान देते हुए प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने कहा था कि गुजरते समय के साथ कई मामलों को लेकर सीबीआई की कार्रवाई और निष्क्रियता पर सवाल खड़े हुये हैं, जिसके चलते इस जांच एजेंसी की विश्वसनीयता सार्वजनिक जांच के दायरे में आ गई है।

सूरत एवं उधना स्टेशनों के बीच स्टील गर्डर लॉन्चे करने के कारण ट्रेनें प्रभावित

सूरत (ईएमएस) सूरत एवं उधना स्टेजशनों के बीच सड़क ऊपरी पुल हेतु स्टील गर्डर लॉन्च करने के कार्य के कारण 4 से 7 अप्रैल, 2022 तक कुछ ट्रेनों को रेगुलेट अर्थात कुछ समय के लिए रोका जाएगा और शॉर्ट टर्मिनेट अर्थात अंतिम स्टेशन से पूर्व समाप्त किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

4 से 7 अप्रैल, 2022 तक प्रभावित ट्रेनें:

☐ ट्रेन संख्या 09102 सूरत-विरार मेमू स्पेशल को सूरत स्टेशन पर 5 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

☐ ट्रेन नंबर 19007 सूरत-भुसावल एक्सप्रेस को सूरत स्टेशन पर 5 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

☐ ट्रेन संख्या 12935/36 बांद्रा टर्मिनस-सूरत सुपरफास्ट एक्सप्रेस को उधना स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और यह ट्रेन उधना एवं सूरत स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

☐ ट्रेन संख्या 19046 छपरा-सूरत ताप्ती गंगा एक्सप्रेस को उधना स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और यह ट्रेन सूरत एवं उधना स्टे1शनों के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

4 अप्रैल, 2022 को प्रभावित ट्रेनें:

1. ट्रेन नंबर 22451 बांद्रा टर्मिनस-चंडीगढ़ एक्सप्रेस को उधना स्टेशन पर 01 घंटा 50 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

2. ट्रेन संख्या 22915 बांद्रा टर्मिनस-हिसार एक्सप्रेस को भेस्तान स्टेशन पर 01 घंटा 40 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

3. ट्रेन संख्या 12925 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस को सचिन स्टेशन पर 01 घंटा 30 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

4. ट्रेन संख्या 12911 वलसाड-हरिद्वार एक्सप्रेस को मरोली स्टेशन पर 1 घंटा के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

5. ट्रेन संख्या 12480 बांद्रा टर्मिनस-जोधपुर सूर्यनगरी एक्सप्रेस को नवसारी स्टेशन पर 35 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

6. ट्रेन संख्या 12263 पुणे-हजरत निज़ामुद्दीन दुरंतो एक्सप्रेस को वेडछा स्टेशन पर 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

7. ट्रेन संख्या 12933 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद कर्णावती एक्सप्रेस को अमलसाड स्टेशन पर 10 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

6 अप्रैल, 2022 को प्रभावित ट्रेनें:

1. ट्रेन संख्या, 12216 बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला गरीबरथ को उधना स्टेशन पर 01 घंटा 50 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

2. ट्रेन संख्या 22915 बांद्रा टर्मिनस-हिसार एक्सप्रेस को भेस्तान स्टेशन पर 01 घंटा 40 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

3. ट्रेन संख्या 12925 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस को सचिन स्टेशन पर 01 घंटा 30 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

4. ट्रेन संख्या 12917 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार एक्सप्रेस को मरोली स्टेशन पर 1 घंटा के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

5. ट्रेन संख्या 12480 बांद्रा टर्मिनस-जोधपुर सूर्यनगरी एक्सप्रेस को नवसारी स्टेशन पर 45 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

6. ट्रेन संख्या 12933 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद कर्णावती एक्सप्रेस को वेडछा स्टेशन पर 10 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

7 अप्रैल, 2022 को प्रभावित ट्रेनें:

1. ट्रेन संख्या, 22451 बांद्रा टर्मिनस-चंडीगढ़ एक्सप्रेस को उधना स्टेशन पर 01 घंटा 50 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

2. ट्रेन संख्या 12483 कोचुवेली-अमृतसर एक्सप्रेस को भेस्तान स्टेशन पर 01 घंटा 40 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

3. ट्रेन संख्या 12925 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस को सचिन स्टेशन पर 01 घंटा 30 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

4. ट्रेन संख्या 12480 बांद्रा टर्मिनस-जोधपुर सूर्यनगरी एक्सप्रेस को नवसारी स्टेशन पर 45 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

6. ट्रेन संख्या 12933 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद कर्णावती एक्सप्रेस को वेडछा स्टेशन पर 10 मिनट के लिए रेगुलेट किया जाएगा।

यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया इस व्य9वस्थां को ध्यामन में रखें।

तमिलनाडु में दर्दनाक हादसा ट्रक के घाटी में गिरने से 11 लोगों की मौत

तिरुपत्तूर (ईएमएस)। तमिलनाडु के पर्वतीय तिरुपत्तूर जिले में 30 श्रद्धालुओं को लेकर जा रहे एक ट्रक के घाटी में गिर जाने से महिलाओं समेत 11 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 20 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका सरकारी जिला अस्पताल में इलाज हो रहा है। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जतायी है और मृतक आश्रितों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि तथा घायलों के लिए 50-50 हजार रुपये की राहत राशि की भी घोषणा की। यह घटना उस वक्त हुई जब पुलियूर गांव के करीब 30 श्रद्धालु जिले के पर्वतीय सम्बराई में स्थित मंदिर जा रहे थे। ट्रक चालक घाट रोड पर घुमावदार मोड़ से गुजरते वक्त वाहन से अपना नियंत्रण खो बैठा, जिसके कारण दुर्घटना हुई। अधिकारी ने बताया, '11 लोगों की मौत हुई है जिसमें छह महिलाएं और पांच लड़किया हैं। करीब 20 लोग घायल हुए हैं। मामले में जांच जारी है।' स्टालिन ने श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताते हुए कहा, '...मैंने अधिकारियों को घायलों को इलाज में हर संभव मदद का आदेश दिया है।'' एक वीडियो में साफ दिख रहा है कि पानी की बोतल और चप्पलें घटनास्थल पर बिखरे पड़े हैं, जबकि घायल महिलाएं और बच्चे ट्रक से बहुत दूर जमीन पर पड़े हैं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

बीते वित्त वर्ष में छोटे शेयरों ने दिया 36.64 प्रतिशत रिटर्न

- विशेषज्ञों ने कहा, 2022-23 में भी स्मॉलकैप का बेहतर प्रदर्शन जारी रहेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। छोटी कंपनियों के शेयरों ने प्रतिफल देने के मामले में सेंसेक्स और निफ्टी को पीछे छोड़ दिया है। बीते वित्त वर्ष 2021-22 में छोटे शेयरों (स्मॉलकैप) ने निवेशकों को 36.64 प्रतिशत का बड़ा रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2022-23 में भी स्मॉलकैप का बेहतर प्रदर्शन जारी रहेगा। भू-राजनीतिक तनाव, मुद्रास्फीति की चिंता और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली से पिछले वित्त वर्ष के आ?खिर में हालांकि बाजार को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था। विश्लेषकों ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही बहुत अच्छी रही, जबकि दूसरी छमाही में बाजार को उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। बीते वित्त वर्ष में स्मॉलकैप सूचकांक 7,566.32 अंक चढ़ गया। वहीं मिडकैप में 3,926.66 अंक की बढ़त रही। इसकी तुलना में सेंसेक्स वित्त वर्ष 2021-22 में 9,059.36 अंक चढ़ा। उन्होंने कहा ?कि परंपरागत रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप का प्रदर्शन तेजड़िया बाजार से बेहतर होता है। वित्त वर्ष 2022-23 में भी इनका प्रदर्शन मुख्य बेंचमार्क से बेहतर रह सकता है क्योंकि तमाम तरह की दिक्कतों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था एक अच्छी वृद्धि की राह पर अग्रसर है।

?विशेषज्ञों ने कहा ?कि ऐतिहासिक रूप से अप्रैल का महीना शेयर बाजारों के लिए सबसे अच्छा रहता है। खासकर मिडकैप और स्मॉलकैप के मामले में। पिछले 15 में से 14 साल में बीएसई का स्मॉलकैप सूचकांक लाभ के साथ बंद हुआ है। इस दौरान इसमें औसतन सात प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा ?कि इसलिए हम व्यापक बाजार के लिए नए वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत की उम्मीद कर सकते हैं। 19 अप्रैल, 2021 को स्मॉलकैप अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर 20,282.07 अंक पर आ गया था। वहीं इस साल 18 जनवरी को यह 31,304.44 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। इसी तरह मिडकैप पिछले साल 19 अक्टूबर को 27,246.34 अंक के अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। इसने 19 अप्रैल, 2021 को अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर 19,423.05 अंक को छुआ था। सेंसेक्स 19 अक्टूबर, 2021 को अपने सर्वकालिक उच्चस्तर 62,245.43 अंक पर पहुंचा था।

फ्रांस यूक्रेन संकट के नतीजों से निपटने के लिए आर्थिक और राजनीतिक सहायता दें

काहिरा (ईएमएस)। मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी ने यूरोपीय संघ की परिषद की अध्यक्षता वाले फ्रांस से आग्रह किया कि यूक्रेन संकट के नतीजों से निपटने के लिए मिस्र को आर्थिक और राजनीतिक सहायता प्रदान करें। इसकी जानकारी मिस्र के विदेश मंत्रालय के बयान से सामने आई है। मिस्र के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अहमद हाफिज ने कहा कि शौकरी ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष जीन-यवेस ले ड्रियन के साथ फोन पर बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की, जिसके दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक सहयोग पर चर्चा की।

फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री ब्रूनो ले मायेर ने काहिरा की यात्रा के कुछ ही दिनों बाद बातचीत की, इस दौरान उन्होंने मिस्र के लिए अपने देश के पूर्ण समर्थन और संकट के दौरान मध्य पूर्वी देश को गेहूं की आपूर्ति प्रदान करने की इच्छा की पुष्टि की। मिस्र दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं आयातक है और रूस और यूक्रेन से अपना अधिकांश गेहूं खरीदता है। इससे पहले शनिवार को मिस्र के विदेश मंत्री ने अपने जर्मन समकक्ष एनालेना बारबॉक को फोन किया, जिसके दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और रूस-यूक्रेन संघर्ष के नतीजों के लिए मिस्र को आर्थिक तरीके से मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

मुंबई (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन तनाव कमजोर पड़ने, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लिवाली और औद्योगिक उत्पादन में तेजी की वजह से पिछले सप्ताह तीन प्रतिशत से अधिक की तेजी में रहे शेयर बाजार अगले सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा का असर रहेगा। विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, रूस-यूक्रेन के मोर्चे पर कुछ सकारात्मक खबरें, एफआईआई की लिवाली, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का निरंतर समर्थन और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी के कारण शेयर बाजार ने वित्त वर्ष 2022-23 में मजबूत शुरुआत की। वैश्विक बाजार स्थिर हैं लेकिन भू-राजनीतिक स्थिति के बारे में अभी भी कोई स्पष्टता नहीं है। उच्च मुद्रास्फीति और मंदी दोनों की स्थिति चिंताजनक है वहीं चीन कोविड महामारी से जूझ रहा है। अगले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की दिशा निर्धारित करने में आरबीआई मौद्रिक नीति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अधिकांश केंद्रीय बैंक पहले ही ब्याज दरों में वृद्धि कर चुके हैं जबकि आरबीआई यथास्थिति बनाए हुए है। इस परिदृश्य में देखना दिलचस्प होगा कि आरबीआई मुद्रास्फीति और विकास दोनों को कैसे प्रबंधित करेगा। ऐतिहासिक रूप से अप्रैल शेयर बाजार के लिए सबसे अच्छे महीनों में से एक है, जहां मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन बेहतर है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी छमाही में जमकर बिकवाली करने के बाद एफआईआई वित्त वर्ष 2022-23 में कैसा व्यवहार करेंगे। हालांकि उन्होंने पिछले सप्ताह में 5600 करोड़ रुपए की लिवाली की है।

पेट्रोल और डीजल ?फिर 80 पैसे महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतें रविवार को ?फिर से प्रति लीटर 80 पैसे बढ़ा दी गईं, जिससे दो सप्ताह से भी कम समय में कीमतों में प्रति लीटर आठ रुपए बढ़ गए हैं। ईंधन खुदरा विक्रेताओं की मूल्य अधिसूचना के अनुसार राजधानी में पेट्रोल की कीमत अब 103.41 रुपए प्रति लीटर है, जबकि डीजल की कीमत 94.67 रुपए हो गई है। देशभर में ईंधन की दरों में वृद्धि की गई है लेकिन स्थानीय कर प्रावधानों के अनुरूप अलग-अलग राज्यों में यह दर अलग-अलग है। 22 मार्च को साढ़े चार महीने के लंबे अंतराल के बाद दरों में बदलाव किया गया था, लेकिन इसके बाद से कीमतों में यह 11वीं वृद्धि है।

चीन के शंघाई शहर में तेजी से बढ़ रहे कोविड-19 के मामले

बीजिंग (ईएमएस)। चीन की सबसे बड़े शहर शंघाई में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं। वहीं, लाखों लोग लॉकडाउन के कारण अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 438 नए मामलों की पुष्टि हुई है। साथ ही, 7,788 ऐसे मामले भी सामने आये हैं जिनमें संक्रमण के लक्षण नहीं थे। यह दोनों ही मामले कल की तुलना में ज्यादा हैं।

हालांकि, कई देशों की तुलना में यह संख्या कम है, लेकिन दैनिक मामले चीन में 2019 के अंत में वुहान में मिले मामलों के बाद सबसे ज्यादा हैं। शंघाई में 2.6 करोड़ की आबादी दो चरणों में लॉकडाउन का सामना कर रही है। पूर्वी पुडोंग क्षेत्र के निवासियों को शुक्रवार को घरों से निकलने की इजाजत दी जानी थी, जबकि पश्चिमी पुशी क्षेत्र में शुक्रवार से चार दिन के लिए लॉकडाउन लगा हुआ है। आश्वासन के बावजूद, पुडोंग में लाखों लोग लगातार घरों में बंद हैं। निवासियों से कहा गया है कि वे रोज़ाना कोविड-19 की जांच करें, घर में मास्क लगाने समेत एहतियाती उपाय करें और परिवार के सदस्यों के नजदीक जाने से बचें। सत्तारूढ़ कंप्यूनिस्ट पार्टी की पोलित ब्यूरो की सदस्य सुन चुनलैन ने आग्रह किया है कि शंघाई में जल्द से जल्द कोविड के मामलों पर काबू करने के लिए तेज़ी से कदम उठाए जाएं।

श्रीलंका में राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू के उल्लंघन के लिए 600 से अधिक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका में 36 घंटों के राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू का उल्लंघन करने और बदहाल आर्थिक संकट के तहत सरकार-विरोधी रैली आयोजित करने के प्रयास के लिए रविवार को पश्चिमी प्रांत में 600 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। सरकार द्वारा सप्ताहांत कर्फ्यू का उल्लंघन करने के लिए विपक्षी सांसदों ने अपने नेता सजित प्रेमदासा के नेतृत्व में ऐतिहासिक चौराहे की ओर विरोध मार्च शुरू किया था। प्रेमदासा ने कहा, हम प्रदर्शन करने से संबंधित जनता के अधिकारों के हनन के लिए सरकार द्वारा सार्वजनिक सुरक्षा अध्यादेश लागू करने का विरोध कर रहे हैं।''

रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को पश्चिमी प्रांत में कुल 664 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। रविवार को 'अरब स्प्रिंग' शैली में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले देशव्यापी कर्फ्यू घोषित किया था। राष्ट्रपति गोटाबायो राजपक्षे ने एक विशेष गज़ट अधिसूचना जारी करके श्रीलंका में एक अप्रैल से तत्काल प्रभाव से आपातकाल लगा दिया था। सरकार ने रविवार को सोशल मीडिया तक जनता की पहुंच को समाप्त करने के लिए इंटरनेट सेवा पर रोक लगाने का आदेश दिया था तथा लोगों के एक जगह इकट्ठा होने पर रोक लगा दी थी।

सूर्य पर आया भयानक तूफान, एक ही सनस्पॉट से सात दिनों में उठीं 20 से ज्यादा लहरें

-नासा के सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी स्पेसक्राफ्ट ने खींची अद्भुत तस्वीरें

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी स्पेसक्राफ्ट ने एक और सौर लहर की फोटो खींची है। यह सोलर फ्लेयर उसी 'अतिसक्रिय' सनस्पॉट से विस्फोट हुई है, जिसके चलते इस हफ्ते की शुरुआत में एक अद्भुत अरोर धरती पर दिखाई दिया था। सूर्य की परिक्रमा कर रहा यह स्पेसक्राफ्ट धरती से सतह के 36,000 किमी की ऊंचाई पर मौजूद है। स्पेसक्राफ्ट ने गुरुवार को दोपहर 2:35 बजे मध्यम-शक्ति वाली टाइप एम सौर लहर की तस्वीर खींची।

नासा के मुताबिक सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी हर 10 सेकेंड में सूर्य की संपूर्ण डिस्क की फोटो खींचता है। इसकी तस्वीरें हाई-डेफिनिशन टीवी की तुलना में 10 गुना अधिक रिज़ॉल्यूशन वाली होती हैं। स्पेसक्राफ्ट द्वारा खींची गई तस्वीर स्पेक्ट्रम के पराबैंगनी हिस्से में फ्लेयर को दिखाती है जो इसके उच्च तापमान को दिखाता है। एक एम-क्लास फ्लेयर बेहद शक्तिशाली फ्लेयर होती है। यह सूर्य से अचानक निकला इलेक्ट्रोमैग्नेट रेडिएशन होता है जो प्रकाश की गति से बाहर निकलता है।

यूएस नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) ने फ्लेयर को एम9.6 रैंक दी। इसका मतलब है कि यह एक्स-क्लास फ्लेयर बनने से बहुत दूर नहीं थी जो सबसे ज्यादा शक्तिशाली लहर होती है। सौर लहरें रेडियो कम्युनिकेशन को बाधित कर सकती हैं और रेडियो ब्लैकआउट का कारण बन सकती हैं। अमेरिका के नेशनल वेदर फोरकास्ट ऑफिस के अनुसार एक मध्यम ब्लैकआउट कई मिनटों के लिए कम्युनिकेशन को बाधित कर सकता है।

इस तरह के ब्लैकआउट ज्यादातर विमानन और समुद्री संचार को प्रभावित करते हैं लेकिन इसका असर आम रेडियो प्रसारण पर भी पड़ सकता है। हालिया सोलर फ्लेयर को जन्म देने वाले 'चुंबकीय रूप से जटिल' सनस्पॉट को 2975 कहा जाता है। इससे पिछले एक हफ्ते में लगभग 20 लहरें उठी हैं, जिसमें बुधवार को सूर्य पर भयानक विस्फोट के बाद निकली एक्स-क्लास फ्लेयर भी शामिल है।

नासा के एग्जियोम मिशन-1 की लांचिंग 6 अप्रेल को

वाशिंगटन (ईएमएस)। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा अपने पहले अंतरिक्ष यात्रा मिशन एग्जियोम मिशन1 की तैया?रियों में जुटा है। यह मिशन 6 अप्रैल बुधवार को निर्धारित है। इसके लिए एएक्स1 को नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से लान्च किया जाएगा। इस एएक्स-1में सवार होने वाले चार क्रू सदस्यों में स्पेन के कमांडर माइकल लोपेज एलेग्रिया, अमेरिका के पायलट लैरी कोन्नोर, इजरायल आइटन स्टीब और कनाडा के मार्क पैथी शामिल हैं। नासा के :अनुसार मिशन लान्च के लिए बुधवार, 6 अप्रैल को दोपहर 12:05 बजे का समय निर्धारित किया गया है। दस दिनों के इस मिशन में आईएसएस में 8 दिनों तक क्रू मेंबर्स अपना शोध करेंगे। स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 10:45 बजे नासा की ओर से एएक्स-1 लान्च के लिए सीधा प्रसारण नासा टेलीविजन पर शुरू हो जाएगा। यह एजेंसी की वेबसाइट और इसके एप पर भी देखा जा सकेगा। लान्च के करीब 15 मिनट बाद यह प्रसारण खत्म किया जाएगा। यह कमर्शियल लान्च है।

एफपीआई ने पिछले महीने बाजारों से निकाले 41,000 करोड़

- फरवरी में 35,592 करोड़ और जनवरी में भारतीय बाजार से ?निकाले 33,303 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना तथा रूस-यूक्रेन युद्ध से पैदा हुई भू-राजनीतिक चिंता के बीच अमेरिका विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने लगातार छठे महीने बिकवाली जारी रखते हुए मार्च में भारतीय शेयर बाजारों से 41,000 करोड़ रुपए की निकासी की है। विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतों में उछाल तथा मुद्रास्फीति की वजह से निकट भविष्य में भी एफपीआई के प्रवाह में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने पिछले महीने शेयर बाजारों से 41,123 करोड़ रुपए की निकासी की है। इससे पहले उन्होंने फरवरी में शेयर बाजारों से 35,592 करोड़ रुपए और जनवरी में 33,303 करोड़ रुपए निकाले थे।विदेशी निवेशक पिछले छह महीनों से शेयरों से निकासी कर रहे हैं। अक्टूबर, 2021 और मार्च, 2022 के बीच उन्होंने भारतीय बाजारों से 1.48 लाख करोड़ रुपए निकाले हैं। ??

बाजार के ?विशेषज्ञों ने कहा है ?कि एफपीआई की निकासी की मुख्य वजह ब्याज दरों के वातावरण में बदलाव और फेडरल रिजर्व द्वारा प्रोत्साहनों को समाप्त करने का संकेत है। कई और कारण भी हैं जिनकी वजह से एफपीआई भारतीय बाजार से निकासी कर रहे हैं। इनमें भारत का महंगा होना, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, रुपए की कमजोरी और रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे कारण शामिल हैं। यही वजह है वे सुरक्षित निवेश विकल्प की ओर जा रहे हैं। यदि फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी को टालने का संकेत दिया जाता, तो संभवतः हमें इस स्तर की निकासी देखने को नहीं मिली। इसी तरह के तर्क देते हुए एक अन्य ??विशेषज्ञ ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रुख, भू-राजनीतिक स्थिति को लेकर चिंता की वजह से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं।

खालिस्तान समर्थक कंटेट दिखाने पर ब्रिटेन ने सस्पेंड किया खालसा टीवी का लाइसेंस

लंदन (ईएमएस)। खालिस्तान समर्थक टीवी चैनल पर कड़ी कार्रवाई करते हुए ब्रिटिश सरकार ने उसका लाइसेंस सस्पेंड कर दिया है। ब्रिटेन की मीडिया निगरानी संस्था ने देश में खालसा टीवी (केटीवी) का प्रसारण लाइसेंस निलंबित कर दिया है। संस्था ने एक जांच में केटीवी के खालिस्तान समर्थक दुष्प्रचार में शामिल होने और प्रसारण नियमों का उल्लंघन करने की बात सामने आने के बाद यह कदम उठाया है।

द ऑफिस ऑफ कम्युनिकेशंस (ऑफकॉम) ने 30 दिसंबर 2021 को केटीवी पर प्रसारित 'प्राइम टाइम' कार्यक्रम को लेकर कंपनी को निलंबन नोटिस जारी करने के बाद इस सप्ताह अपने फैसले की घोषणा की। यह नोटिस ऐसी सामग्री का प्रसारण कर प्रसारण संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में जारी किया गया है, जिससे अपराध या अव्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है।

ऑफकॉम ने कहा कि 95 मिनट की लाइव चर्चा वाले कार्यक्रम में ऐसी सामग्री शामिल थी, जिससे 'हिंसा भड़कने' की आशंका थी। ब्रिटिश मीडिया नियामक ने एक बयान जारी कर कहा, कार्यक्रम के प्रस्तोता ने पूरे कार्यक्रम में कई बयान दिए, जो खालिस्तानी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए हत्या सहित अन्य हिंसक गतिविधियों को एक जरूरी एवं स्वीकार्य कार्रवाई के रूप में प्रदर्शित करते हैं।

बयान में कहा गया यह अपराध और अव्यवस्था के खिलाफ हमारे प्रसारण नियमों का गंभीर उल्लंघन था। बयान के मुताबिक उल्लंघन की गंभीर प्रकृति को देखते हुए और निलंबन नोटिस में निर्धारित कारणों से हम आज ब्रिटेन में खालसा टेलीविजन लिमिटेड के प्रसारण लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रहे हैं। खालसा टेलीविजन लिमिटेड के पास ऑफकॉम के सामने अपना पक्ष रखने के लिए 21 दिनों का समय है। इस प्रक्रिया के बाद ब्रिटिश मीडिया नियामक तय करेगा कि खालसा टेलीविजन लिमिटेड का लाइसेंस रद्द किया जाए या नहीं।

कीव के बूचा में रूसी सैनिकों ने किया भीषण नरसंहार, हर तरफ लाशें और बर्बादी का नजारा

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन की सेना के बीच पिछले 39 दिनों से चल रही जंग की सबसे वीभत्स तस्वीर राजधानी कीव के बूचा इलाके से सामने आई है। इस शहर पर अब यूक्रेन की सेना ने फिर से कब्जा कर लिया है। यूक्रेन की सेना जब बूचा शहर में घुसी तो हर तरफ उसे बस लाशें ही लाशें बिखरी हुई दिखाईं दीं। बूचा की सड़कें कब्रिस्तान में बदल चुकी हैं। रूसी सेना ने बूचा में बर्बरता की सारी हदें पार कर दी हैं।

शहर में महिलाओं के कई ऐसे शव मिले हैं जिन पर कपड़े नहीं हैं। माना जा रहा है कि रूसी सैनिकों ने हाथ बांधकर उन्हें गोली मार दी है। ये सभी लोग निर्दोष आम नागरिक थे और उनके शव सड़कों पर सड़ रहे थे। उनके पास से कोई हथियार भी नहीं मिला है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सड़कों पर 4 से 5 महिलाओं के शव मिले हैं। इन महिलाओं के शरीर पर कपड़े नहीं थे। रूसी सेना ने इन महिलाओं के शव को सड़क के किनारे जलाने की कोशिश की थी।

बूचा के मेयर ने बताया कि शहर में कम से कम 300 लोगों को सामूहिक कब्र में दफनाया गया है। इस संख्या से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने बड़े पैमाने पर बूचा में लोग मारे गए हैं। बूचा से आ रही तस्वीरें इतनी भयावह हैं कि उसे दिखाया नहीं जा सकता है। मेयर अनातोली फेडोरुक ने कहा कि पूरा बूचा शहर तबाह हो चुका है और सड़कों पर हर तरफ बस लाशें ही लाशें दिखाई पड़ रही हैं। उन्होंने कहा इन सभी लोगों को पीछे से गोली मारी गई है।

उन्होंने कहा कि मारे गए लोगों में पुरुष और महिलाएं हैं। एक 14 साल के बच्चे

जल संचय के लिए रजत तुला सिर्फ मुख्यमंत्री की नहीं है, जनहित के लिए कार्य करने वाले एक-एक कार्यकर्ता की है : मुख्यमंत्री

- रजत तुला में मिली 1.15 करोड़ रुपए की धनराशि जलसंग्रहण के कार्यों के पीछे होगा उपयोग

अहमदाबाद (ईएमएस) राजकोट जिले के उपलेटा में रविवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की रजत तुला की गई।उपलेटा तहसील शाला में श्री गोकुल गौसेवा सदन-अरणी तथा वृक्ष प्रेम सेवा ट्रस्ट-उपलेटा के संयुक्त तत्त्वाधान में रजत तुला समारोह का आयोजन किया गया। इस असवर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि जल संग्रह अभियान के लिए की गई यह रजत तुला केवल एक मुख्यमंत्री की नहीं है, किन्तु जन तथा जल हित के लिए परिश्रम करने वाले गुजरात के एक-एक कार्यकर्ता की है। उन्होंने सौराष्ट्र में जल अभियान के लिए जनभागीदारी के प्रेरणा स्त्रोत श्री प्रेमजी बापा के कार्यों की सराहना करते हुए उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उपलेटा तथा धोराजी क्षेत्र में अभी भी अधिक चेकडेमों का निर्माण करने हेतु मुख्यमंत्री के वजन से अधिक 105 किलो रजत सहित कुल 1.15 करोड़ रुपए का सार्वजनिक योगदान कार्यक्रम आयोजित संस्थाओं के जल अभियान के पीछे खर्च होगा। इस कार्य पर गर्व करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संग्रहण अभियान के लिए जन आंदोलन में जन-जन का आधार महत्त्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के पानी के संग्रह के लिए नई पीढ़ी भी जागरूक हो रही है। साथ ही उन्होंने शाळा प्रवेशोत्सव में गुजरात की एक बेटी द्वारा दिए गए वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि नल से धीरे-धीरे बूंद-बूंद करके पानी बह जाता है, जिससे वर्ष में 31 हजार लीटर पानी बर्बाद हो जाता है। अतः हमारे लिए पानी का एक-एक बूंद बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। यह कहते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री के 'कैच द रेन' जल शक्ति अभियान को सफल बनाने का भाव प्रगट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिदसर के कार्यक्रम में हीमोग्लोबिन तुला सहित संस्थाओं के कार्मक्रमों तथा इस जल अभियान में जनभागीदारी के कार्यक्रमों द्वारा गुजरात की विकास यात्रा को जनभागीदारी के सूत्र के साथ आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'परिश्रम से परिवर्तन' के विकास का मार्ग हमें दिखाया है।'सबका साथ-सबका विकास तथा सबका प्रयास-विश्वास' के मंत्र से एक-एक कार्यकर्ता के टीम वर्क से हमें जन सेवा का यज्ञ सफल बनाना है। मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती की वकालत करते हुए किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाकर ज़मीन के स्वास्थ्य के साथ-साथ हमारी तथा आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए सभी को प्रेरित किया।

इस अवसर पर सांसद तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी. आर. पाटिल ने कहा कि पानी धरती का अमृत है। बारिश के पानी के संग्रह के लिए प्रेमजी बापा द्वारा ऐसे कार्य किए जिससे हमें प्रेरणा प्राप्त होती है। उनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए उपलेटा-धोराजी क्षेत्र में संस्थाओं द्वारा सार्वजनिक योगदान के साथ किए गए कार्यों की सराहना करते हुए सांसद सी. आर. पाटिल ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बारिश के पानी के संग्रह के लिए जल शक्ति अभियान के संबंध में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्त्व में पानी के लिए बजट में विशेष प्रावधान किया गया है।

इस अवसर पर बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के स्वामी श्री अपूर्वमुनि ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में एक भारत-श्रेष्ठ भारत तथा आत्मनिर्भर भारत सहित देश की उन्नति के लिए गौरवान्वित कार्य किए जा रहे है। ऐसे में हम जन-जन के कल्याण के लिए सहभागिता बनने का संकल्प लें। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को शुभकामनाएँ देते हुए जन सेवा के लिए किए गए निर्णयों का स्वागत किया। देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा के लिए सभी को प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद के वाडज स्थित डोहली माता के मंदिर में दर्शन कर आशिर्वाद लिया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को अहमदाबाद के नवा वाडज गाँव स्थित डोहली माता के मंदिर में श्रद्धापूर्वक दर्शन कर माँ का आशिर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना के बाद कहा कि माताजी की हम सभी पर असीम कृपा और आशिर्वाद बना रहे। इस अवसर पर गाँव के अग्रणी भेमाभाई पटेल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को मोमेन्टों देकर स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा शहर प्रमुख अमितभाई शाह, गाँव के अग्रणी तथा भक्तगण उपस्थित थे।

गुजरात विधानसभा से पहले कांग्रेस के दो दिग्गज नेता भगवा धारण कर सकते हैं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव का अभी ऐलान नहीं हुआ, परंतु चुनावी तैयारियां जरूर तेज हो गई हैं भाजपा 150 सीटों के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरना चाहती है और उसके लिए कांग्रेस गढ़ में सेंध लगाने की कोशिश कर रही हैं इसमें भाजप को सफलता मिली हैं बनासकांठा जिले के वडगाम से विधायक रहे मणिलाल वाघेला को अपने पाले में भाजपा का सफलता मिलती दिख रही हैं बता दें कि वडगाम से वर्तमान में जिग्नेश मेवाणी निर्दलीय विधायक हैं वर्ष 2017 के चुनाव में कांग्रेस ने वडगाम से निर्दलीय उम्मीदवार जिग्नेश मेवाणी के समर्थन में मणिलाल वाघेला को टिकट नहीं दिया था 35 सालों से कांग्रेस जुड़े मणिलाल वाघेला शायद तभी से नाराज थे नवंबर 2021 में मणिलाल वाघेला ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था हाल ही में मणिलाल वाघेला ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात की थी और उसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की चर्चा तेज हो गई थी खबर है कि आगामी दिनों में वडगाम में शक्ति प्रदर्शन कर मणिलाल वाघेला भाजपा का भगवा धारण कर सकते हैं दूसरी ओर उत्तरी गुजरात के दूसरे कांग्रेस विधायक अश्विन कोटवाल के भी भाजपा जॉइन करने की संभावना हैं गुजरात भाजपा से तारीख मिलने के बाद अश्विन कोटवाल खेडब्रह्मा में शक्ति प्रदर्शन कर अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल होंगे

विकसित तथा शक्तिशाली गुजरात के निर्माण हेतु राज्य सरकार सदैव सभी समाज के साथ है : मुख्यमंत्री

- भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में सिदसर स्थित उमिया माताजी मंदिर में दशाब्दी महोत्सव का भव्य आयोजन

- मुख्यमंत्री की 1.50 लाख हीमोग्लोबिन पील्स से तुला कर उमिया धाम द्वारा स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में नई पहल

जामनगर (ईएमएस) विकसित तथा शक्तिशाली गुजरात का निर्माण करने हेतु राज्य सरकार सदैव सभी समाज के साथ खड़ी है। यह बातमुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को सिदसर स्थित उमिया माताजी मंदिर में आयोजित दशाब्दी महोत्सव को संबोधित करते हुए कही। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में जामजोधपुर तहसील के सिदसर में उमिया माता मंदिर का रजत जयंति महोत्सव, स्मृति महोत्सव तथा नव निर्मित उमिया धाम का दिव्य तथा भव्य लोकार्पण महोत्सव सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उमिया माता जी के दर्शन कर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आज गुजरात देश का ग्रोथ इंजन बन गया है। नरेन्द्र मोदी की सबको साथ लेकर आगे बढ़ने की मंशा को राज्य सरकार आगे ले जा रही है। उमिया धाम संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण सहित के क्षेत्र में सेवा का यज्ञ शुरू हुआ है। ऐसे में राज्य सरकार ने भी इस संस्था की विकासरूपी राह में मदद करने हेतु यात्राधाम विकास के लिए पहले 3 करोड़ रुपए तथा इसके बाद अब 18.25 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक मंज़ूरी दी है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर जिलावासियों के स्वास्थ्य की भलाई के लिए 3 नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान करवाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को प्राकृतिक खेती की ओर लोगों को मुड़ने की सलाह देते हुए कहा कि विभिन्न रोगों के मूल में रासायनिक खेती से उत्पन्न होने वाली फ़सल ज़िम्मेदार है। ऐसे में स्वस्थ समाज का निर्माण करने के लिए प्राकृतिक खेती की ओर मुड़ना बहुत की आवश्यक है। राज्य सरकार भी प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन दे रही है तथा उस उत्पाद की ख़रीदारी के लिए सही बाज़ार भी गुजरात में उपलब्ध हो रहा है।

इस अवसर पर राज्य मंत्री ब्रिजेश मेरजा ने उमिया माताजी मंदिर का भव्य इतिहास लोगों के सामने रखते हुए कहा कि उमिया धाम मंदिर के विकास के लिए राज्य सरकार हर संभव मदद करने के लिए कटिबद्ध है। समारोह में उमिया धाम ट्रस्ट द्वारा मुख्यमंत्री की 1.50 लाख हीमोग्लोबिन पील्स द्वारा तुला कर स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए एक नई पहल की। इस अवसर पर उमिया धाम के ट्रस्टी जेरामभाई वासजाळिया ने मंदिर परिसर के निर्माण कार्यों के दाताओं के नामों की घोषणा की, जिन दाताओं का मुख्यमंत्री ने सम्मान कर अभिवादन किया।

बीजेपी अहंकारी है आप को मौका दें अहमदाबाद में सरकार पर बरसे अरविंद केजरीवाल

अहमदाबाद (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात पहुंचे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी को 'अहंकारी' बताया है। साथ ही उन्होंने गुजरात के लोगों से आम आदमी पार्टी को एक मौका देने की अपील की। इस दौरान केजरवाल के साथ पंजाब के नए सीएम भगवंत मान भी मौजूद रहे। दोनों नेता शनिवार को आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। गुजरात में इस साल के अंत में चुनाव हो सकते हैं। केजरीवाल ने कहा, 'मैं यहां किसी पार्टी की आलोचना करने के लिए नहीं आया हूं। मैं यहां भाजपा को हराने नहीं आया हूं। मैं कांग्रेस को हराने नहीं आया हूं। मैं गुजरात को जिताने आया हूं। हमें गुजरात और गुजरातियों को विजय बनाना है। हमें गुजरात में भ्रष्टाचार खत्म करना होगा।' रोडशो के दौरान केजरीवाल ने आरोप लगाए कि राज्य में भाजपा 25 सालों से सत्ता में है, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, '25 सालों के बाद वे अब अहंकारी हैं। वे अब लोगों की बात नहीं सुनते। आम आदमी पार्टी को एक मौका दें, जैसे पंजाब ने दिया है, जैसे दिल्ली ने दिया है। आम आदमी पार्टी को एक मौका दें, अगर आपको हम पसंद नहीं आए, तो अगली बार बदल दीजिए। आम आदमी पार्टी को एक मौका दीजिए, आप सभी दूसरी पार्टियों को भूल जाएंगे।' इस दौरान मान ने कहा, 'दिल्ली और पंजाब का काम सुलझा लिया गया है, अब हम गुजरात के लिए तैयारी कर रहे हैं।' शनिवार को आप के दोनों नेता साबरमती आश्रम पहुंचे। उन्होंने हृदय कुंज में चरखा चलाया। यहीं पर महात्मा गांधी और उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी रहा करते थे। इसके अलावा दोनों नेता आश्रम स्थित संग्रहालय में भी पहुंचे।

6 कॉर्पोरेशन और 30 जिलों में कोरोना का एक भी नया मरीज नहीं, रिकवरी रेट 99.10 प्रतिशत

अहमदाबाद (ईएमएस) रविवार को दो कॉर्पोरेशन और तीन जिलों में कोरोना के 10 नए मरीज सामने आए हैं जबकि 6 कॉर्पोरेशन और 30 जिलों में कोरोना एक भी नया केस दर्ज नहीं हुआ वहीं 10 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया राज्य में रिकवरी रेट 99.10 प्रतिशत हैं अब तक 1212926 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10942 मरीजों की मौत हो चुकी हैं फिलहाल राज्य में 64 सक्रिय मरीजों में 63 स्टेबल हैं और केवल एक मरीज वेन्टीलेटर पर हैं पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3, पाटन में 3, मेहसाणा में 2, सूरत में 1, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1 समेत राज्यभर में कुल 10 नए केस दर्ज हुए हैं जबकि गांधीनगर, सूरत, राजकोट, भावनगर, जूनागढ़ और जामनगर समेत 6 महानगर पालिकाओं में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में सामने नहीं आया वहीं अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, खेडा, कच्छ, महीसागर, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सुरेन्द्रनगर, तापी, वडोदरा और वलसाड समेत 30 जिलों में कोरोना का एक भी नया मरीज नहीं मिला रविवार को राज्यभर में 4776 लोगों के टीकाकरण के साथ अब तक 10 करोड़ 62 लाख 61 हजार 463 लोगों का वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

कलोल की शिक्षिका की बंधक और अपहरण की घटना

घर में घुसे हुए शख्सों ने महिला को तीन घंटे तक बंधक बनाया

गांधीनगर, ३ अप्रैल।

कलोल में शिक्षिका महिला की बंधक और अपहरण के केस में स्थानीय पुलिस, एलसीबी और एसओजी ने जांच शुरू कर दी है। महिला ने शिकायत करने पर पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर एक शख्स की पहचान की है। उल्लेखनीय है कि, महिला के अपहरण बाद उन्होंने पहने हुए गहने भी लेने का अज्ञात शख्सों द्वारा प्रयास नहीं किया गया था। तथा बंगले से तीन घंटे से ज्यादा समय रहे फिर भी कोई कीमती वस्तु गायब नहीं हुई होने का सामने आने पर रहस्यमय हो गया है। यह केस में संदिग्ध युवक की किसी भी प्रकार की भूमिका मालूम होगा तो आगे और खुलासे किए जाएंगे। घटना की यह जानकारी है कि, कलोल के पंचवटी क्षेत्र में रहती महिला शिक्षिका द्वारा छह अज्ञात शख्सों के खिलाफ अपने घर में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश करके हाथ-पैर बांधकर तथा मुंह में दुचा भरकर कार में अपहरण करके विभिन्न जगह पर घूमाकर छोड़ देने की शिकायत दर्ज की गई थी। हालांकि अपहरणकर्ताओं द्वारा ऐसा किसलिए किया गया यह महिला को भी अभी तक खबर नहीं है। कलोल पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार ३० मार्च को अल्काबहन घर पर अकेली थी तब ३ बजे डोरबेल बजी और अल्काबहन ने दरवाजा खोलने पर ६ शख्स घर में घुस गये और दरवाजा बंद करके अल्काबहन को बंधक बना दिया और मुंह में सेलोटेप लगाकर फेस पर काली टोपी पहना दी और करीब ३ घंटे में तक घर में रहने के बाद अल्काबहन का कार में अपहरण करके ले गये और कुछ देर घूमाने के बाद बांधे हुए हालत में छोड़ दिया। जैसे तैसे करके अल्काबहन ने पति को फोन करके जानकारी करने पर वह घर पर ले गये और पूरे मामले में पुलिस को जानकारी दी।शिकायत के अनुसार अल्काबहन ने सोने के कंगन, हाथ में अंगूठियां तथा कान में झुमके पहने थे। इसके अलावा घर में भी गहने तथा नकद थे। हालांकि घर में घुसे हुए और अपहरण करने वाले शख्सों ने यह सब कुछ सुरक्षित रहने दिया। किस वजह से अल्काबहन का अपहरण किया यह मालूम करने के लिए पुलिस द्वारा जांच शुरू की गई है।

पश्चिम रेलवे द्वारा 21 जोडी ट्रेनों में स्थायी तौर पर जोड़े जायेंगे अतिरिक्त कोच

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए 21 जोडी ट्रेनों में स्थायी तौर पर अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण नीचे दिया जा रहा है:-

1. ट्रेन संख्या 22917/22918 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार एक्सप्रेस में बांद्रा टर्मिनस से 06.04.2022 से और हरिद्वार से 07.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच तथा बांद्रा टर्मिनस से 01.06.2022 से और हरिद्वार से 02.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच जोड़ा जायेगा।

2. ट्रेन संख्या 20921/20922 बांद्रा टर्मिनस-लखनऊ एक्सप्रेस में बांद्रा टर्मिनस से 02.04.2022 से और लखनऊ से 03.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच तथा बांद्रा टर्मिनस से 04.06.2022 से और लखनऊ से 05.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच जोड़ा जायेगा।

3. ट्रेन संख्या 22949/22950 बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस में बांद्रा टर्मिनस से 06.04.2022 से और दिल्ली सराय रोहिल्ला से 07.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच तथा बांद्रा टर्मिनस से 01.06.2022 से और दिल्ली सराय रोहिल्ला से 02.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

4. ट्रेन संख्या 19027/19028 बांद्रा टर्मिनस-जम्मू तवी एक्सप्रेस में बांद्रा टर्मिनस से 02.04.2022 से और जम्मू तवी से 04.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच तथा बांद्रा टर्मिनस से 04.06.2022 से और जम्मू तवी से 06.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

5. ट्रेन संख्या 22931/22932 बांद्रा टर्मिनस-जैसलमेर एक्सप्रेस में बांद्रा टर्मिनस से 03.06.2022 से और जैसलमेर से 04.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच एवं एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़े जायेंगे।

6. ट्रेन संख्या2 22933/22934 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर एक्सप्रेस में बांद्रा टर्मिनस से 06.06.2022 से और जयपुर से 07.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच एवं एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़े जायेंगे।

7. ट्रेन संख्या 22993/22994 बांद्रा टर्मिनस-महुवा एक्सप्रेस में बांद्रा टर्मिनस से 01.06.2022 से और महुवा से 02.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच एवं एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़े जायेंगे।

8. ट्रेन संख्या 22989/22990 बांद्रा टर्मिनस-महुवा एक्सप्रेस में बांद्रा टर्मिनस से 03.06.2022 से और महुवा से 04.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच एवं एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़े जायेंगे।

9. ट्रेन संख्या 12247/12248 बांद्रा टर्मिनस-हज़रत निजामुद्दीन युवा एक्सप्रेस में बांद्रा टर्मिनस से 01.04.2022 से और हज़रत निजामुद्दीन से 02.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जायेगा।

10. ट्रेन संख्या 22953/22954 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद एक्सप्रेस में मुंबई सेंट्रल से 01.04.2022 से और अहमदाबाद से 03.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी चेयर कार कोच जोड़ा जाएगा।

11. ट्रेन संख्या 20955/20956 सूरत-महुवा जंक्शन एक्सप्रेस में सूरत से 02.04.2022 से और महुवा जं. से 03.04.2022 से दो-दो स्लीपर और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे जोड़े जायेंगे।

12. ट्रेन संख्या- 19033/19034 अहमदाबाद-वलसाड एक्सप्रेस में अहमदाबाद से तत्का2ल प्रभाव से और वलसाड से 02.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी चेयर कार कोच जोड़ा जायेगा।

13. ट्रेन संख्या 22937/22938 राजकोट-रीवा टर्मिनल एक्सप्रेस में राजकोट से 03.04.2022 से और रीवा से 04.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच तथा राजकोट से 05.06.2022 से और रीवा से 06.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जायेगा।

14. ट्रेन संख्या 20913/20914 राजकोट-दिल्ली सराय रोहिला एक्सप्रेस में राजकोट से 07.04.2022 से और दिल्ली2 सराय रोहिल्ला से 08.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच तथा राजकोट से 02.06.2022 से और दिल्ली सराय रोहिल्ला से 03.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

15. ट्रेन संख्या 19107/19108 भावनगर टर्मिनस-उधमपुर एक्सप्रेस में भावनगर से 03.04.2022 से और उधमपुर से 04.04.2022 से अतिरिक्त एसी 2-टियर एवं एसी 3-टियर कोच तथा भावनगर टर्मिनस से 05.06.2022 से और उधमपुर से 06.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

16. ट्रेन संख्या 19307/19308 इंदौर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस में इंदौर से 07.04.2022 से और चंडीगढ़ से 08.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच तथा इंदौर से 02.06.2022 से तथा चंडीगढ़ से 03.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

17. ट्रेन संख्या 19325/19326 इंदौर-अमृतसर एक्सप्रेस में इंदौर से तत्काल प्रभाव से और अमृतसर से 03.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच तथा इंदौर से 03.06.2022 से और अमृतसर से 05.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जायेगा।

18. ट्रेन संख्या 12913/12914 इंदौर-नागपुर एक्सप्रेस में इंदौर से 03.04.2022 से और नागपुर से 04.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच तथा इंदौर से 05.06.2022 से और नागपुर से 06.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जायेगा।

19. ट्रेन नंबर 22941/22942 इंदौर-उधमपुर एक्सप्रेस में इंदौर से 04.04.2022 से और उधमपुर से 06.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 2-टियर कोच तथा इंदौर से 06.06.2022 से और उधमपुर से 08.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

20. ट्रेन संख्या 19305/19306 डॉ. अम्बेडकर नगर-कामाख्या एक्सप्रेस में डॉ. अम्बेडकर नगर से 07.04.2022 से और कामाख्या से 10.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच तथा डॉ. अम्बेडकर नगर से 02.06.2022 से और कामाख्या से 05.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच जोड़ा जाएगा।

21. ट्रेन संख्या 12923/12924 डॉ. अम्बे2डकर नगर-नागपुर एक्सप्रेस में डॉ. अम्बेडकर नगर से 05.04.2022 से और नागपुर से 06.04.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3-टियर कोच तथा डॉ. अम्बेडकर नगर से 07.06.2022 से और नागपुर से 08.06.2022 से एक अतिरिक्त एसी 3- टियर कोच जोड़ा जाएगा।

शिक्षकों के तबादले को लेकर बड़ी घोषणा

राज्य के शिक्षकों की वर्षों पुरानी मांगें सरकार ने मानी

गांधीनगर, ३ अप्रैल।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के दिशा-निर्देशानुसार दो लाख से ज्यादा शिक्षक परिवार को छूता निर्णय लिया गया है। शिक्षा मंत्री ने बताया है कि, दस वर्ष पहले प्राथमिक शिक्षकों के तबादले के संदर्भ में नियम बनाये गये थे। यह नियमों में बदलाव करने के लिए प्राथमिक शिक्षा के संघों द्वारा पेशकश हुई थी इस संदर्भ में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने नियमों में महत्व के बदलाव करने के दिशा-निर्देश दिए है। अभी तक जिस तरीके से जिले में रिक्त जगह के ४० फीसदी शिक्षकों को जिला तबादलों से शिक्षकों को लाभ दिया जाता था जो अब १०० फीसदी जगह पर जिला तबादले का लाभ दिया जाएगा। जिला मेला पारस्परिक और जिला आंतरिक अरसपरस तबादले में संबंधित शिक्षकों के वतन होना जरूरी था यह प्रावधान दूर किया गया। १० वर्ष एक ही जगह पर नौकरी करने की शर्त पर जिस शिक्षकों को नियुक्त किया गया है ऐसे शिक्षक पांच वर्ष के बाद भी तबादले के लिए अर्जी कर सकेंगे। जो सरकारी कर्मचारी राज्य के एक जिले से दूसरे जिले में तबादलापात्र है ऐसे कर्मचारियों के पति या पत्नी यदि सरकारी स्कूल में प्राथमिक शिक्षक या मुख्य शिक्षक हो तो उनको प्रतिनियुक्ति से रखा जा सकेगा। पति/पत्नी के मामले का लाभ अब से अनुदानित संस्थाएं, गुजरात सरकारी सार्वजनिक उद्यम, केंद्र और राज्य सरकार की सरकारी कंपनियों के मामले में भी मिलने पात्र होगा। तबादले के मामले में शिकायत निराकरण के लिए शिकायत निराकरण समिति का गठन किया गया। राज्य के शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने बताया है कि, विद्यार्थियों के शिक्षा का हित, शिक्षकों का हित तथा प्रशासनिक तंत्र का हित बना रहे इसके लिए राज्य के विद्यासहायक, प्राथमिक शिक्षकों और मुख्य शिक्षकों के तबादलों के निर्णय के संदर्भ में राज्य सरकार ने महत्व के निर्णय लिए है जिसके करीब दो लाख से ज्यादा शिक्षकों को लाभ होगा।

पुलिस कर्मचारी ने बेशर्मी की सीमा पार कर दी

पुलिस ने बिना गलती से खुलेआम किशोर का हाथ मोड़कर मारा

वडोदरा, ३ अप्रैल।

नंदेसरी पुलिस स्टेशन सीमा क्षेत्र में छाणी पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मचारी ने १४ वर्षीय किशोर को पीटने का मामला बना था। निर्दयता से खुलेआम पीटने की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। किशोर को पीटने वाला कॉन्स्टेबल शक्तिसिंह को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम को नंदेसरी बाजार में स्थित चाइनीज की लारी के पास २ किशोर उम्र के लड़के मस्ती मजाक करते थे, इस दौरान छाणी पुलिस स्टेशन की पुलिस वैन वहां से जा रही थी। पुलिस वैन में बैठे छाणी पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मचारी शक्तिसिंह ने लारी के पास गाड़ी खड़ी रखी थी। इस दौरान दो किशोर मस्ती करते हुए पुलिस वैन के सामने आये। अब गुस्सा हुआ पुलिस कर्मचारी द्वारा किशोर को पीटना शुरू कर दिया। पुलिस की मार के डर से १४ वर्षीय महेश नाम के किशोर ने भागकर अपने चाचा की दुकान में आ गया था, इसके पीछे तुरंत ही छाणी पुलिस स्टेशन का पुलिस कर्मचारी आकर सीधे किराने की दुकान में घुसकर लड़के को पीटा था।

यह पुलिस कर्मचारी ने लड़के को दुकान के बाहर निकालकर खुलेआम रास्ते के पास हाथ मोड़कर सिर के हिस्से में मारा था। इसके साथ ही किशोर के गुप्त हिस्से में लात मारी थी। यह पूरी घटना दुकान में लगाये सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। स्थानीय निवासियों के बताये अनुसार, यह पुलिस कर्मचारी शक्तिसिंह नशे की हालत में था। १४ वर्षीय लड़के को पुलिस कर्मचारी द्वारा पीटने पर चोट आई थी। यह जानकर पूरे ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ नाराजगी के साथ नंदेसरी पुलिस स्टेशन पहुंचे। बड़ी संख्या में ग्रामीण लोग नंदेसरी पुलिस स्टेशन पहुंचकर न्याय की मांग की। जिसकी वजह से तुरंत नंदेसरी पुलिस छाणी पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मचारी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। मिली जानकारी के अनुसार, वडोदरा के पुलिस कमिश्नर तक यह मामला पहुंचा। जिसकी वजह से कमिश्नर ने तुरंत योग्य जांच करके योग्य कार्रवाई करने के लिए कहा। इस दौरान हिरासत में लिए गए कॉन्स्टेबल शक्तिसिंह को तुरंत सस्पेंड किया गया।

सूरत में विवाहिता पर बहन के दोस्त ने किया दो राउंड फायरिंग

युवती के पैर में गोली लगने पर इसे अस्पताल में भर्ती कराई गई

सूरत, ३ अप्रैल।

सूरत में दिन प्रतिदिन क्राइम की घटनाएं बढ़ रही है। जिसमें भी विशेष करके हत्या, फायरिंग और मारपीट जैसी घटनाएं सूरत में सामान्य हो गई हो ऐसा लग रहा है। इसी वजह से सूरत क्राइम केपिटल का नाम मिल गया है। अब और एक मामले में पुलिस की विफलता सामने आई है। उधना क्षेत्र में मोपेड पर जाती एक युवती पर फायरिंग करके युवक फरार हो गया। जहां युवती के पैर में गोली लगने पर इसे न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती कराई गई। दूसरी तरफ कुछ घंटों में ही क्राइम ब्रांच ने आरोपी को रिवॉल्वर के साथ पकड़कर जेल भेजा गया। कडोदरा की ग्रीन लेंड आराधना सोसाइटी में रहती पायल प्रदीप राठोड गृहिणी है।

इसकी बड़ी बहन अंजली उधना में पीयूष पोइंट के पास सांई समर्थन सोसाइटी में रहती है। अंजली की शादी हो गई है। हालांकि, इसके बाद भी वह आरोपी अफरोज के साथ दोस्ती रखती थी। पायल को इस मामले में जानकारी मिलने पर उसने अंजली को दोस्ती खत्म करने के लिए कहा था। हालांकि, अंजली मानती नहीं थी। दोनों बहनों के बीच इसी वजह से झगड़ा होता था। शनिवार को पायल अंजली के घर पर गई थी, वहां अफरोज भी था। अब पायल ने अंजली को कहा था कि तु अफरोज के साथ किसलिए बात करती है। जिसकी वजह से अफरोज ने नाराज होकर पायल पर फायरिंग किया। फायरिंग होने पर स्थानीय क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। इस घटना के बाद पायल को घायल हालत में न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती कराई गई। घटना की जानकारी मिलने पर उधना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। जहां क्राइम ब्रांच ने कुछ ही घंटे में अफरोज को पिस्तौल के साथ गिरफ्तार कर लिया।

मिनिमम किराया बढ़ाकर ३० करने की मांग

CNG के बढ़ रही कीमत से रिक्शा चालकों की स्थिति बदतर हुई

सीएनजी की कीमत में एक साथ ५ रुपये की वृद्धि होने पर किराये में वृद्धि करने की मांग हो रही है

अहमदाबाद, ३ अप्रैल।

देश के सामान्य जनता पर अभी चौतरफा महंगाई का वार हो रहा है। पेट्रोल, डीजल, दवाइयां, सब्जी, दूध आदि की कीमत तो बढ़ गई इसके साथ -साथ अदानी द्वारा सीएनजी की कीमत में भी वृद्धि की गई है। सीएनजी की कीमत में पांच रुपये की भारी वृद्धि होने रिक्शा चालकों की समस्या बढ़ गई है अब वह किराये में वृद्धि करने की मांग कर रहे हैं। रिक्शा चालकों के एसोसिएशन द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री सहित के अन्य मंत्रियों और अधिकारियों को आवेदनपत्र सौंपा गया है। एसोसिएशन द्वारा मांग की गई है कि, रिक्शा का मिनिमम किराया १८ रुपये से बढ़ाकर ३० रुपया किया जाए। इसके अलावा उन्होंने बताया है कि, जहां तक रिक्शा चालकों की इस मांग को स्वीकार नहीं किया